राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 जून 2024 में गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट समेत इन कंपनियों ने की सम्पादकीय | आलसी पीढ़ी | कोयला आयात वृद्धि दर पिछले दशक में घटकर 5

वर्ष 11 अंक 38 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, रविवार 30 जून 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की शहादत पर दु:ख हुआ : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में शुक्रवार को नदी पार करते समय एक टैंक के दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच भारतीय सेना के जवानों की मौत पर शनिवार को दुख व्यक्त किया।राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷लद्दाख में एक टैंक में नदी पार करते समय एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हमारे पांच बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। हम राष्ट्र के लिए अपने वीर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे।÷ उन्होंने कहा, ÷शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।

पांच बहादुरों की जान जाने से बेहद दुखी हूं- खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह दुर्घटना और इसमें हुई जानमाल की हानि की खबर से बहुत व्यथित हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ÷लद्दाख में टी-72 टैंक को नदी पार कराते समय एक जेसीओ समेत भारतीय सेना के पांच बहादुरों की जान जाने से बेहद दुखी हूं। इस दर्दनाक त्रासदी का शिकार हुए सैन्यकर्मियों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश हमारे बहादुर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा को सलाम करता है।÷

अरुणाचल के मुख्यमंत्री ने दुख व्यक्त किया

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी इस घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, ÷यह जानकर बहुत दुख हुआ कि लद्दाख के न्योमा-चुसुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अचानक आई बाढ़ में पांच सैनिकों सहित एक टी-72 टैंक बह गया। हमारे बहादुर सैनिकों की सुरक्षा और कुशलता के लिए प्रार्थना करता हूं।÷

सेना के पांच जवान शहीद

इससे पहले शुक्रवार शाम को लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में सेना का एक टैंक दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और चार जवान समेत पांच भारतीय सेना के जवान शहीद हो गए थे। रक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सभी पांच शव बरामद कर लिए गए हैं।

नदी पार करते समय हुआ हादसा

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सेना के जवान जिस टी-72 टैंक का संचालन कर रहे थे, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुक्रवार को जलस्तर में अचानक वृद्धि के कारण यह दुर्घटना हुई। रक्षा अधिकारियों ने प्रारंभिक पुष्टि में कहा, ÷घटना के समय टैंक में पांच सैनिक थे, जिनमें एक जूनियर कमिश्नर अधिकारी और चार जवान शामिल थे। एक व्यक्ति का पता लगा लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश अभी भी जारी है।÷अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

पुलिस ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का पराक्रम दिखाया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 28 पुलिस जवानों को दी क्रम-पूर्व पदोन्नति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रकृति ने बालाघाट को विशेष वरदान दिया है। स्वर्ग जैसी भूमि पर नक्सली गतिविधियां कतई बर्दाश्त नही की जाएगी। इसका नमूना इसी वर्ष हॉकफोर्स के जवानों ने एक अप्रैल को लांजी के पितकोना क्षेत्र में दिखाया है। हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने अपनी सक्रियता से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में अपना शौर्य और पराक्रम दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 28 जवानों को शौर्य और पराक्रम प्रदर्शित करने के लिये उनके कंधों पर फीते और स्टार लगाकर क्रम-पूर्व पदोन्नति देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ बेल पत्र का पौधा भी लगाया। पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों क्रम से पूर्व पदोन्नति मिलना एक अविस्मरणीय पल है।

आज का दिन ऐतिहासिक एवं गौरवशाली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को बालाघाट में पुलिस विभाग के अलंकरण समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन वास्तविक अर्थो में ऐतिहासिक दिन के साथ ही भारत माता को गौरवान्वित करने का भी दिन है। आज का दिन शौर्य, साहस, हिम्मत और पराक्रम को सार्थक करने वाले जवानों के सम्मान का दिन है। धन-धान्य व भूगर्भ संपदा से परिपूर्ण भूमि पर नक्सली/माओवादी ताकतों की नजर रही है। ऐसी ताकतों पर एक अप्रैल 2024 को की गई कार्रवाई पुलिस का कड़ा प्रहार है। समारोह का आयोजन हॉकफोर्स व पुलिस जवानों का क्रम से पूर्व प्रमोशन के लिए किया गया था।

पाँच वर्षो में 3 करोड़ 5 लाख के ईनामी नक्सलियों पर प्रहार

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नक्सली गतिविधियों पर अब तक हुई कार्रवाई के बारे में कहा कि पिछले 5 वर्षों में हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने 19 नक्सलियों को मार गिराया है। जिन पर विभिन्न प्रदेशों में 3 करोड़ 5 लाख रुपये के ईनाम घोषित थे। यह कार्यक्रम उन जवानों को याद और सम्मानित करने का भी दिन है, जिन्होंने कर्त्तव्य निर्वहन करते हुए अपना बलिदान दिया है। साथ ही क्रम से पूर्व प्रमोशन का आयोजन है। सरकार उन सभी के साथ खड़ी है, जिन्होंने हिम्मत और साहस के बल पर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व का ऐसा तीसरा देश बन गया है, जो अपने देश में ही नहीं बल्कि दुश्मन देश की सीमाओं में घुसकर दुश्मनों को खत्म करने की ताकत रखता है।

इजराइल और अमेरिका के बाद

हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी बीजेपी : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। यहां पंचकूला में पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनाव के लिए कोई गठबंधन नहीं करेगी।

तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी भाजपा

पार्टी सूत्रों ने शाह के हवाले से बताया कि पार्टी को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा हरियाणा में तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। हरियाणा भाजपा ने 'एक्स% पर पोस्ट किया कि गृह मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि हरियाणा के लोगों ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मीडिया को बैठक की कार्यवाही कवर करने की अनुमति नहीं दी गई। इस वर्ष मार्च में भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर की जगह ओबीसी नेता नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था।

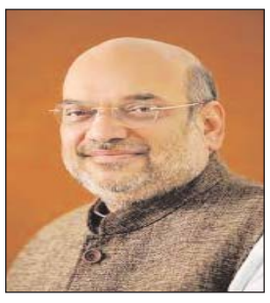

भाजपा नेता किरण चौधरी ने कहा कि अपने संबोधन के दौरान शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह भरा। ताऊ देवी लाल स्टेडियम में आयोजित सत्र के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरियाणा के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, सह-प्रभारी बिप्लब कुमार देब, मुख्यमंत्री सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और वरिष्ठ नेता सौदान सिंह मौजूद थे।इस मौके पर राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, लोकसभा सांसद नवीन जिंदल और धर्मबीर सिंह, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई भी मौजूद थे।

श्रीअन्न हमारी सांस्कृतिक विरासत : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजनांतर्गत श्री अन्न महोत्सव एवं किसान सम्मान समारोह में अन्नदाता किसानों का अभिवादन करते हुये कहा कि श्री अन्न हमारी सांस्कृतिक विरासत है। मोटे अनाज की उत्पादन में बालाघाट जिले की विशेष पहचान है। यहॉ कोदो का इतिहास 3 हजार वर्षो से भी पुराना है। उन्होने कहा कि मिलेट फसलों के उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन के लिये सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कोदो उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा प्रति क्विंटल पर अतिरिक्त एक हजार रुपये अनुदान किसानों को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी प्रतिबद्धता से प्रदेश का सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास के लिये कार्य कर रही है। प्रदेश मे विकास की धारा अविरल रूप से प्रवाहित होती रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस वर्ष कोदो को 4290 रुपये समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों एवं मिलेट मिशन से श्री अन्न फसलों का रकबा लगातार बढ़ रहा है। बालाघाट जिले में पहले 10 हजार हेक्टेयर में श्री अन्न का उत्पादन होता था, अब श्री अन्न के प्रति किसानों की रूचि के मद्देनजर इसे बढ़ाकर इस रकबे को 15200 हेक्टेयर तक करने का लक्ष्य है। देश में एक लाख हेक्टेयर रकबा में बालाघाट की बड़ी भूमिका है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा 80 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के 25 हजार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष प्रदान किये जाते है। वहीं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजनांतर्गत प्रतिवर्ष 12 हजार 500 करोड़ की राशि सीधे पात्र किसानों के खाते में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार किसानों की आय को बढाने की ओर अग्रसर है।

बालाघाट खनिज संपदाओं से समृद्ध क्षेत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट वन एवं खनिज संपदाओं से समृद्ध जिला है। यहॉ मैंगनीज, डोलोमाईट व तांबा जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में भंडारित एवं वैनगंगा की अमृत जलधारा बहती है। जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल जिले की धरोहर है। उन्होंने कहा कि ऐसी धरती में किसी भी स्थिति में नक्सलियॉ गतिविधियाँ बर्दाश्त नही की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने बचायी 5 माह के लव्यांश की जान

20 लाख रुपए की सहायता राशि से हुआ लिवर ट्रांसप्लांट, माता-पिता ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार गरीब कल्याण के लिए हर क्षण तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागरिकों को सुशासन देने एवं जलकल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रहे हैं। एक तरफ लापरवाही पर सख्त रवैया भी अपनाते हैं तो वहीं संवेदनशीलता भी देखने को मिलती है। सुशासन और जनकल्याण के मंत्र को लेकर काम रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता का एक और उदाहरण देखने को मिला है जिसके कारण सीहोर जिले के बुधनी के नीमतोन ग्राम के 5 माह के बच्चे के माता-पिता के जीवन में खुशियों ने दस्तक दी है। बच्चे के जीवन को बचाने के लिए अर्थ के अभाव में खुद को असहाय मानने वाले माता- पिता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने संज्ञान में आते ही दिए थे सहायता के निर्देश

सीहोर जिले के बुधनी तहसील के नीमतोन ग्राम निवासी सुनील चौहान का बेटा जन्म से ही कमजोर और पीलिया से पीड़ित था । शुरू में तो उसने गाँव में ही इलाज करवाया पर फ़ायदा न मिलने पर वह उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल लाया जहां जाँच से पता लगा कि उसकी पित्त ले जाने वाली नली और पित्ताशय की थैली बनी ही नहीं है। अब तक इलाज में इतनी देरी हो चुकी थी बच्चे का लिवर भी फेल होने लगा था और अब Liver Transplant के अलावा कोई उपचार नहीं बचा था। लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लगभग 20 लाख का खर्च, जिसे उठाना सुनील और उसके परिवार के लिए संभव नहीं था। जब कहीं राह नहीं दिखी तो लव्यांश के पिता ने सुनील ने अपने बेटे के इलाज के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आर्थिक सहायता की मांग की। जिसके इलाज के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तत्काल सहायता करने के निर्देश दिए थे।

मददगार बनी मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और 20 लाख की सहायता

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब पांच माह के लव्यांश की स्वास्थ्य की इस पीड़ा और माता-पिता की बेबसी को जाना तो उन्होंने तत्काल 20 लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत कर बंसल अस्पताल में बच्चे के लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के निर्देश दिए थे। अपने बच्चे को सही इलाज मिलने पर अब महीनों से छायी माता-पिता के चेहरे की उदासी अब कम हो गई है और उनके चेहरे पर खुशी के आंसू हैं। माता-पिता ने मुख्यमंत्री जी की इस सहृदयता और संवेदनशीलता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया है।

जबलपुर-दिल्ली के बाद राजकोट एयरपोर्ट की कैनोपी गिरी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के बाद शनिवार को गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट की कैनोपी गिर गई। हालांकि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पिछले तीन दिन में एयरपोर्ट पर इस तरह की ये तीसरी घटना है। 28 जून को दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट की कैनोपी हादसे में एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई थी, जबकि 8 लोग घायल हुए थे। वहीं मध्य प्रदेश के जबलपुर एयरपोर्ट पर 27 जून को कैनोपी गिरने से एक अधिकारी की कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। मानसून के शुरुआत में ही नवनिर्मित एयरपोर्ट की कैनोपी गिरने से घटिया निर्माण कार्य की पोल भी खुल गई है। क्योंकि, राजकोट में मानसून कल ही पहुंचा है। मौसम विभाग ने आज शहर में हल्की बारिश का अनुमान जताया है। सुबह 11 बजे से याग्निक रोड, रेस कोर्स रिंग रोड, कलावड रोड, त्रिकोण बाग, 150 फीट रिंग रोड, राया रोड, साधुवासवानी रोड, माधापार और मुंजका सहित शहर के इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। राजकोट शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर इस ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन पीएम मोदी ने पिछले साल 27 जुलाई में किया था। 1,405 करोड़ की लागत से 23,000 वर्गमीटर में बने इस एयरपोर्ट पर हर घंटे 1,280 यात्रियों के संचालन की क्षमता है।

हाईटेक सुविधाओं से लैस है राजकोट एयरपोर्ट:- इस एयरपोर्ट का पैसेंजर टर्मिनल इतना बड़ा है कि हर घंटे 1,280 यात्रियों का संचालन कर सकता है। एयरपोर्ट पर सोलर पावर सिस्टम, ग्रीन बेल्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसी सुविधाएं हैं। यहां से एयरबस ए-380, बोइंग 747, बोइंग 777 जैसे विमान उड़ान भर और लैंड कर सकेंगे।

हमारे दु:खों का मूल कारण हमारी असीमित कामनाएँ हैं: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - आनन्द की मूल स्रोत परमसत्ता सर्वत्र व्याप्त है। यह सम्पूर्ण जगत एक ही परमात्मा का विविध रूपों में विस्तार है। अज्ञानतावश जीव स्वयं से ईश्वर की अभिन्नता और नित्य विद्यमानता को अनुभूत नही कर पाता अर्थात् आत्म-विस्मृति ही समस्त दु:खों का कारण है। विवेक, सद्विचार और सदुरु अनुग्रह द्वारा अभेदता की अनुभूति कर स्वयं में अंतर्निहित परमानन्द स्वरूप को अनुभव करें और यही जीवन का परम लक्ष्य भी है ! आत्म-ज्ञान से ही दु:खों की निवृत्ति सम्भव है - जीवन की सर्वोपरि आवश्यकता आत्म-ज्ञान है ! हमारे दु:खों का मूल कारण है - हमारी असीमित कामनाएँ हैं। कामना हमें अशान्ति की गर्त मे धकेलती है, क्योंकि कामना का मूल है - आसक्ति। आज हमें जो भी प्राप्त है, उसके प्रति हम उदासीन रहते हैं और जो प्राप्त नहीं है उसको पाने के लिए छटपटाते रहते हैं। कहा गया है कि 'प्राप्ति की उपेक्षा और अप्राप्ति की अपेक्षा' से ही हम दु:खी हैं। दु:ख और अशान्ति का निवारण तभी सम्भव है, जब हम कामनाओं को सीमित रख सकें। हर कार्य के मूल में एक बीज होता है और वह है -विचार। दु:ख निवृत्ति की औषधि श्रेष्ठ विचार है। व्यक्ति धन से बड़ा नहीं होता है, विचार से होता है। हमारे भीतर कोई अपवित्र विचार घुसने न पाये, जीवन रचना और आकार प्रदान करते हैं; स्वस्थ, पवित्र एवं शुभ विचार ही मनुष्य की अमूल्य सम्पदा है। अतः वैचारिकी सकारात्मक एवं पवित्र रहे। सद्विचारों के साथ जुड़ना कल्याणकारी है! सकारात्मक विचारों से स्फूर्ति, उल्लास, उमंग के साथ जीवन को सरल बना सकते हैं। जब किसी व्यक्ति के विचार अच्छे यानी सकारात्मक हो जाते हैं तो उसकी आंतरिक शक्तियाँ जागने लगती हैं। अच्छे विचारों से व्यक्ति शक्तिशाली बनता है और उसके पास किसी चीज का अभाव नहीं होता है।

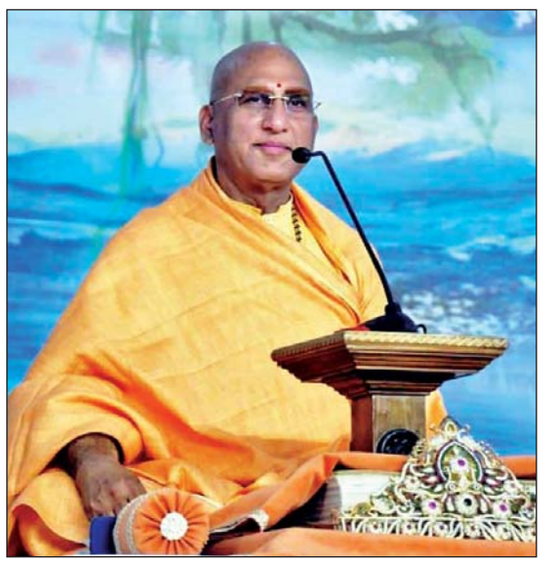

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - यह संसार जैसा है वैसा है, हम इसके प्रति जो भाव रखते हैं, हमें उसका फल मिलता है। हम किसी के भी प्रति अच्छा या बुरा जैसा भाव रखेंगें, संसार हमें वैसा ही प्रतीत होता है। यह सब हमारे मन का खेल है। इस मन का हम कितना श्रृंगार कर लें, उतना हमारा उत्कृष्ट भाव बनता चला जाता है। सुख, दुःख, लाभ, हानि सबका अनुभव मन के द्वारा ही होता है। इस मन को ठीक करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आनन्द की खोज में मानव मृग मरीचिका की तरह है। कस्तूरी नाभि में होने पर भी उसे पाने के लिए वह जगह-जगह भटकता रहता है। इसी प्रकार मनुष्य आनन्द की खोज में अपनी कामनाओं की पूर्ति करने के चक्कर में भागता रहता है, जबकि आनन्द कहीं बाहर नहीं होता है। आनन्द तो उसके हृदय में भरा होता है। अपने अन्दर झाँककर देखने पर ही हमें आनन्दानुभूति होती है। कामनाओं को दुःख की जननी कहा जाता है। कामनाओं के सम्बन्ध में आम धारणा है कि एक कामना पूरी होने पर दूसरी कामना मुँह बाए खड़ी हो जाती है और यह क्रम इतना जोर पकड़ता जाता है कि कामना के साथ पूरक कामना आकर उपस्थित हो जाती है। इस प्रकार कामना की पूर्ति करते-करते अनन्त कामनाओं का प्रवाह चल निकलता है। सीमित कामनाओं की पूर्ति के लिए अनेक ज्ञानी-ध्यानी, साधु-सन्तों ने आगाह किया है कि हमें अपने दुःख और अशान्ति प्रदायिनी कामनाओं को सीमित रखना चाहिए। प्रभु का सामीप्य पाने के लिए हमें अपनी कामनाओं के साथ आसक्ति, ममत्व और अहंकार का त्याग करना ही होगा। तभी हम सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान और कल्याण करने वाले प्रभु के चरणों का चिन्तन-वन्दन कर सकेंगे और कामनाओं से मुक्त हो सकेंगे। विचार, संस्कार और भावनाओं का परिमार्जन, परिवर्तन और रूपांतरण करने से ही आराध्य की निकटता आती है और कामनाओं का शमन होता है और परमानन्द की अनुभूति होती है। परमानन्द की अनुभूति में हमारा मन अपनी सभी चिन्ताओं और संकोचों से मुक्त होता है और हम सच्चे और पूर्ण रूप से ध्यान में लीन हो जाते हैं। परमानन्द एक अत्यन्त सुखद और उत्साहपूर्ण अनुभव है जो आत्मा को परमात्मा से जुड़ने पर प्राप्त होता है। यह एक अलौकिक अनुभूति है जो शब्दों में वर्णन नहीं की जा सकती।

प्रबल प्रताप दिल्ली लॉन टेनिस उपाध्यक्ष निर्वाचित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली/भोपाल/ग्वालियर। अभी हाल ही में हुये दिल्ली लॉन टेनिस संघ के चुनाव मे अंतरराष्ट्रीय लॉन टेनिस खिलाड़ी, भारतीय ओलंपिक संघ कार्यकारी परिषद के सदस्य, भारतीय टेनिस संघ के कोषाध्यक्ष रोहित राजपाल को अध्यक्ष, ग्वालियर के युवा नेता प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु) एवं एनडीएमसी के वाईस चेयरमेन सतीश उपाध्याय को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह ने अपने निर्वाचन पर संबधितों का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि हम लोग दिल्ली क्षेत्र में खेल के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अनेक संगठनों ने युवा नेता प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु) के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

दिल्ली में एक दिन में 4 महीने जितनी बारिश, 8 की मौत

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार (28 जून) को मानसून ने तय तारीख शनिवार (29 जून) से एक दिन पहले दिल दहलाने वाली एंट्री की। 24 घंटों में 9 इंच बारिश हो गई, जो जून 1936 में एक दिन में 9.27 इंच बारिश के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है। इससे न केवल जून बल्कि मार्च से अब तक, यानी 4 महीने का कोटा पूरा हो गया।दिल्ली में बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। 5 लोगों की जान गई थी। शुक्रवार रात एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के गड्ढे में 3 मजदूर गिर गए थे। बारिश के कारण गड्ढे में पानी भरा था। आज सुबह तीनों मजदूरों के शव निकाले गए हैं।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

रोटरी क्लब ग्वालियर का 77वां चार्टर डे एवं नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह आज

राज्य सभा सदस्य, उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता विवेक तनखा मुख्य अतिथि होंगे

- नव नियुक्त राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह का अभिनन्दन होगा
- पूर्व प्रान्तपाल संजय मालवीया एवं प्रान्तपाल राहुल श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि होंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। शहर के सबसे पुराने रोटरी क्लब ग्वालियर का 77वां चार्टर डे एवं नवीन टीम का शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा सदस्य विवेक तनखा के मुख्य आतिथि में 30 जून को सायं 7.00 बजे चेम्बर भवन, सनातन धर्म मंदिर रोड, ग्वालियर पर होगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य एवं रोटरी क्लब ग्वालियर के सदस्य अशोक सिंह का अभिनन्दन किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व प्रान्तपाल संजय मालवीया द्वारा जो रोटरी क्लब के माध्यम से जो सेवा कार्य किये गये, उस पर व्याख्यान होगा। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित संजय मालवीया ने हाल ही में लगभग 6 करोड़ से अधिक की राशि सेवा कार्यो में स्वयं एवं अपने मित्रों से दिलाई। यह गौरव की बात है कि रोटरी के माध्यम से उन्होंने मानव सेवा का रास्ता अपनाया।

नई टीम एवं नवीन सदस्यों को प्रान्तपाल राहुल श्रीवास्तव शपथ दिलायेंगे जबकि पूर्व प्रान्तपाल डॉ. वीरेन्द्र कुमार गंगवाल, आर.एस.राठी, भूपेन्द्र जैन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

रोटरी क्लब ग्वालियर के अध्यक्ष मायूर गर्ग, सचिव रोहित जैन एंव आगामी वर्ष के अध्यक्ष राधव गुप्ता, सचिव आनिल महेश्वरी ने बताया कि आयोजन में सेवा कार्य के रूप में जरूरतमंद लोगों के लिये आर्थिक सहयोग किया जोयगा। उन्होंने रोटरी क्लब, लॉयन्स क्लब, शहर के अभिभाषक एवं आमंत्रित अतिथियों को कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

पत्रकारों की आवश्यक बैठक कल, महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। ग्वालियर प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वाधान में फूलबाग स्थित ग्वालियर प्रेस क्लब परिसर में सोमवार 01 जुलाई 2024 मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे आवश्यक बैठक आयोजित होगी। बैठक मे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सभी पदाधिकारियों और पत्रकार साथियों से अनुरोध है कि बैठक में उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। उक्त जानकारी पत्रकार राजेश शर्मा ने एक विज्ञप्ति में दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साहित्यकार श्री शरद पगारे के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के विख्यात साहित्यकार, व्यास सम्मान से अलंकृत श्री शरद पगारे के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पगारे जी का इस दुनिया से जाना सम्पूर्ण साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

आईपीएचएस मानकों की पूर्ति से स्वास्थ्य सेवाएँ होंगी सशक्त

46 हज़ार 491 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति

भोपाल। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश विज़न में भारतीय लोक स्वास्थ्य मानकों के आधार पर स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन की पूर्ति करना प्रदेश की सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा गया है। सशक्त आत्मनिर्भर प्रदेश के लिए नागरिकों का स्वास्थ्य आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण लोक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदान सुनिश्चित करना इसके लिए महत्वपूर्ण है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिये आई.पी.एच.एस. मानक निर्धारित किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व और उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की प्रतिबद्धता से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के सतत प्रयास हो रहे हैं। कैबिनेट ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त करने के लिए संशोधित मानव संसाधन मानदंडों (आईपीएचएस) को मंजूरी दी है।

राज्य स्तरीय मानक अनुसार स्वास्थ्य संस्थाओं में 46 हज़ार 491 नवीन पदों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है। इनमें 27 हज़ार 838 पदों की पूर्ति एन.एच.एम. अंतर्गत तथा शेष 18 हज़ार 653 पदों की पूर्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 2 वित्तीय वर्षों में की जायेगी।

इनमें 518 चिकित्सा अधिकारी, 854 विशेषज्ञ, 4 हज़ार 423 नर्सिंग अधिकारी, 894 लैब तकनीशियन, 85 फिजियोथेरेपिस्ट, 626 ओटी तकनीशियन, 51 काउंसलर, 33 अस्पताल प्रबंधक, 45 अस्पताल अधीक्षक, 16 हज़ार 985 बहु-कुशल समूह डी कार्यकर्ता, 9 हज़ार 366 एएनएम, 165 एलएचवी, 10 हज़ार 179 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, 336 कंप्यूटर ऑपरेटर, 114 अस्पताल सहायक, 1 हज़ार 705 कोल्ड चेन और वैक्सीन लॉजिस्टिक सहायक और 112 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद शामिल हैं।

स्वास्थ्य संस्थानों में पूर्व में 47 हज़ार 949 नियमित पद स्वीकृत थे। कैबिनेट द्वारा स्वास्थ्य संस्थानों के लिए नवीन 18 हज़ार 653 (जो लगभग 39 प्रतिशत की वृद्धि है) पदों की स्वीकृति से कुल 66 हज़ार 602 नियमित पद हो जाएँगे। प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 7 हज़ार 182, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 5 हज़ार 346, सिविल अस्पतालों में 2 हज़ार 712 और जिला चिकित्सालयों में 3 हज़ार 458 नवीन पद की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा प्रदान की गयी है।

सशक्त आत्मनिर्भर प्रदेश की आधारशिला है नागरिकों का स्वास्थ्य

24 घंटे क्रियाशील होंगे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य जाँच सुविधा के प्रदाय में होगी सहूलियत

आई.पी.एच.एस. की अनुसंशा अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता से मध्यप्रदेश में समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 24ङ्क7 क्रियाशील रखा जा सकेगा। समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सातों दिन 24 घंटे प्रसव सुविधाएँ उपलब्ध की जा सकेंगी। समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक औषधियाँ एवं आवश्यक पैथोलॉजी जाँच और आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं रेफ़रल सेवाएँ सुनिश्चित हो सकेंगी।

समस्त विकासखंडो में क्रियाशील होंगे ब्लड बैंक

समस्त सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालयों में आवश्यक नैदानिक जाँच जैसे एक्स रे, सोनोग्राफी एवं सी टी स्कैन प्रदान की जा सकेंगी। समस्त विकासखंडो में क्रियाशील ब्लड बैंक संचालित किये जा सकेंगे। समस्त शासकीय चिकित्सालयों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अनुसार तैयार किया जा सकेगा जिससे केंद्र सरकार से अतिरिक्त इंसेंटिव राशि प्राप्त हो सकेगी ।

बीमारियों का समय से चिन्हाँकन होगा

मरीज के स्वास्थ्य पर प्रभाव होने से पहले इलाज करने में सहायता होगी एवं बीमारियों की पहचान करने के लिए स्क्रीनिंग तथा निदान के बाद बीमारी के संक्रमण को रोकने के लिए प्रबंध करना संभव हो सकेगा। संचारी एवं असंचारी रोग तथा अन्य गंभीर बीमारी जैसे मल्टीप्ल स्क्लेरोसिस, हार्ट अटैक, पैरालिसिस आदि का गुणवत्तापूर्ण इलाज संभव हो सकेगा।

नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में आएगी कमी

गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, हाईरिस्क प्रेगनेंसी की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन, सुरक्षित प्रसव एवं परिवार कल्याण संबंधी परामर्श/पीपीआईयूसीडी की सुविधा सुलभ होगी। इससे लंबे समय में मातृ मृत्यु-दर में गिरावट लाने में सफलता हासिल होगी। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल, शीघ्र स्तनपान, टीकाकरण, कमजोर/बीमार शिशु की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन समुदाय के समीप उपलब्ध होगा। प्रदेश में नवजात एवं शिशु मृत्यु-दर तथा सकल प्रजनन-दर में कमी लाई जा सकेगी।

मेडिकल रिकॉर्ड का डिजीटाईजेशन

समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में डाटा डिजीटाईजेशन की दिशा में ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर संचालित किया जाने में नवीन पद सहायक होंगे। रोगियों को ऑनलाईन पंजीकरण की सुविधा प्राप्त हो सकेगी तथा मरीजों का रिकॉर्ड (डिस्क्रिप्शन, जांच तथा अन्य) का भी डिजिटल संग्रहण किया जा सकेगा। रोगियों के मेडिकल रिकॉर्ड का डिजीटाईजेशन का कार्य किया जा सकेगा। समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में ई-फाईलिंग सिस्टम, सी.सी.टी.वी., पी.एस. सिस्टम इत्यादि जैसे आई.टी. टूल्स का उपयोग किया जा सकेगा।

लॉयंस क्लब ऑफ ग्वालियर की अवार्ड नाइट सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अध्यक्ष लॉयंस समीर अग्रवाल ने वर्षभर कार्यक्रमों को आयोजित करने में सहयोगी लॉयन साथियों को अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया। गीत संगीत से सजी अवार्ड नाइट्स मे सचिव दीपेन्द्र दुबे और कोषाध्यक्ष अनूप सिंहल को उनके अतुलनीय योगदान के लिए विशेष सम्मान विक्रमादित्य अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित पूर्व अध्यक्ष जीएल भोजवाणी, संदीप जैन, चरणजीत नागपाल, सत्येन्द्र गुप्ता, सुमेर राठौर, अनुपम तिवारी, अंकित माहेश्वरी, आरके खेतान, डॉ. कौल, श्रेयांस जैन, जगदीश मित्तल आदि उपस्थित थे। उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, राघवेन्द्र अवस्थी, राजीव वैश्य, रामकरण पारिख, लेखराज रावल, सत्येन्द्र शुक्ला, दीपक बत्रा आदि को सेवा कार्यों के लिए

संतों के मार्गदर्शन में बनी मुरार नदी के जीर्णोद्धार की कार्य योजना

तीन जुलाई से होगा अभियान का आगाज, सभी वर्गा का मिलेगा साथ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। नदी से नाला बन अपने अस्तिव के लिए गुहार लगा रही वैशाली(मुरार) नदी का जीर्णोद्धार अभियान का तीन जुलाई से आगाज होगा। संतों के सानिध्य में हुई बैठक में इस बात का निर्णय लिया गया।

मुरार की वैशाली नदी करे पुकार ... गंदगी, अतिक्रमण से करो मेरा उद्धार की भावना के अनुरूप शनिवार को गोयल वाटिका हुरावली में संत समाज की अगुवाई में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में संतों ने आशीर्वचन देते हुए सर्व समाज के लोगों को एकजुट होकर इस पावन और मानव जीवन से जुड़े अभियान को सार्थक और सफल बनाने का आव्हान किया। महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने कहा कि मानव जीवन के लिए नदी की अविरल धारा का होना आवश्यक है। खनेता धाम के महामंडलेश्वर राम भूषण दास महाराज ने कहा कि नदियों की दशा दिनों दिन बिगड़ती जा रही है। जो भविष्य के लिए ठीक नहीं है। नदी की सफाई से समाज की भलाई है। इसलिए हमसभी को आगे बढ़कर नदी का अस्तित्व बचाना है। महामंडलेश्वर हरिदास नागाजी महाराज जड़ेरुआ धाम ने कहा कि

नदी की सफाई में समाज की भलाई

नदियों को भारतीय संस्कृति और धर्म में अत्यंत महत्व है। संत कृपाल सिंह महाराज ने कहा कि नदियों से मानव के साथ ही जीव-जंतु भी जीवन पाते हैं। नदी को बचाना हमारा नैतिक कर्तव्य है, ताकि पर्यावरण और जलीय वातावरण सुखद रहे। संतों के साथ सर्व समाज के लोगों को मिलकर श्रमदान करना चाहिए। महामंडलेश्वर संतोष गुरु ने कहा कि परमार्थ कार्य करने की ओर जब मनुष्य बढ़ता है तो उसका स्वरूप ईश्वरत्व की ओर अग्रसर होता है। अस्तित्व को तरसती नदी को मूल स्वरूप में लाने का संकल्प सामाजिक सहभागिता से ही पूरा होगा। लालटिपारा गौशाला के प्रेमानंद महाराज ने कहा आधुनिक परिवेश में लोग अपनी संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। नदी मां के समान हैं। इसका सम्मान करना चाहिए। नदी के जीवित रहने से ही मानव जीवन का अस्तित्व है। संत गोपाल शरण ने कहा कि मुरार नदी के जीर्णोद्धार को जो संकल्प लिया गया है वह श्रेष्ठ है। मैं स्वयं इस संकल्प के साथ जुड़ूंगा। सफाई से लेकर पौधे लगाने तक तन-मन और धन से हर संभव सहयोग करूंगा। पुर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने मुरार नदी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देना पड़ेगा, इस कार्य में सरकार और प्रशासन भी आपके साथ है। संतों ने जो ज्ञापन प्रेषित किया है उन बिंदुओं को नमामि गंगे प्रोजेक्ट में जुड़वाने हेतु राज्य सरकार और प्रशासन से चर्चा की जाएगी। डॉ. केशव पाण्डेय ने संतों का स्वागत करते हुए अभियान की जानकारी दी और बताया कि नदी की सफाई मौजूदा परिवेश में क्यों आवश्यक है।

बैठक का आगाज विक्रम राणा के शंखवादन (फूंकने)के साथ हुआ। डॉ. पाण्डेय एवं गोयल ने पुष्पहार एवं शॉल और श्रीफल से संतों का स्वागत कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पवन दीक्षित ने किया। इस दौरान समाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजसेवी, व्यापारी, स्वयं सेवकों ने स्वेच्छा से संकल्प-पत्र भरकर तीन जुलाई से शुरू होने वाले अभियान में श्रमदान करने की तारीख तय की।

कमलनाथ ने बजट से पहले सरकार को याद दिलाया उनका वादा

भोपाल ।मध्यप्रदेश में शुरू हो रहे विधानसभा सत्र से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोहन सरकार पर हमला बोला है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट करते हुए सरकार से कहा कि जो वादा किया, वो निभाना पड़ेगा। जानकारी के लिए बता दें कि मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू होगा। इस सत्र में मोहन सरकार साल 2024-25 के लिए तीन जुलाई को बजट पेश करेगी। यह बजट साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का होने का अनुमान है।कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार शीघ्र ही अपना बजट पेश करने वाली है। मैं मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को याद दिलाना चाहता हूं कि बजट में उन घोषणाओं के लिए अवश्य प्रावधान कर लें, जो उन्होंने विधानसभा चुनाव में की थी। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने प्रदेश की जनता से कई सारे वादे किए हैं, जिन्हें अभी तक पूरा नहीं किया गया है। हालांकि, सरकार का कहना है कि जनता से किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। एक-एक करके इन्हें पूरा भी किया जा रहा है।पूर्व सीएम ने कहा कि यह सब वह वादे हैं जिन पर भरोसा करके जनता ने भाजपा की सरकार बनायी है।

भिण्ड के सोना-चाँदी व्यवसायी के साथ पड़ाव थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए : एमपीसीसीआई

पुलिस अधीक्षक, धर्मवीर सिंह यादव को सौंपा ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। भिण्ड के व्यवसाई, अमन बंसल के साथ दिनांक 17 जून को पड़ाव थाना अन्तर्गत रेलवे स्टेशन बजरिया के पास से उनकी कार में रखे बैग से 244 ग्राम सोने के आभूषण चोरी होने की घटना के दोषी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की माँग करते हुए, आज चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि मण्डल ने पुलिस अधीक्षक- धर्मवीर सिंह यादव को उनके कार्यालय में ज्ञापन सौंपा ।

MPCCI के प्रतिनिधि मण्डल में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष- पारस जैन, कार्यकारिणी सदस्य- दीपक जैन, दीपेश अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण गर्ग, अजीत जैन, अभिषेक गोयल (सन्नी) आदि शामिल थे।

इस अवसर पर प्रतिनिधि मण्डल ने पुलिस अधीक्षक-श्री यादव से कहाकि चोरी की उक्त घटना के दोषी अपराधियों की आज तक गिरफ्तारी नहीं होने से व्यवसाईयों में काफी रोष व्याप्त है । उक्त घटना के पीड़ित व्यवसाई के परिजन चोरी की इस बारदात से काफी आहत होने के साथ-साथ मानसिक रूप से काफी परेशान हैं । व्यवसाईयों ने कहाकि चोरी की इस घटना की प्रकृति से ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों द्वारा षडयंत्र पूर्वक व्यवसाई की कार को पहले किसी प्रकार से पंचर किया गया और बाद में जब कार में बैठे लोग पंचर देखने के लिए नीचे उतरे, उसके बाद ऑटो में बैठकर आए चोरों द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

प्रतिनिधि मण्डल ने पुलिस अधीक्षक-धर्मवीर सिंह यादव से कहाकि उपरोक्त चोरी की घटना के दोषी अपराधी जिस ऑटो में बैठकर आए थे, उस ऑटो वाले की तलाश कर, कड़ाई से पूछताछ की जाए, जिससे अपराधियों तक पहुँचने में पुलिस को मदद मिल सके । साथ ही, अपराधियों की गिरफ्तारी होने के बाद सख्ती के साथ पूछताछ सुनिश्चित की जाए, जिससे चोरी किए गए माल की बरामदगी संभव हो सके।

पुलिस अधीक्षक- धर्मवीर सिंह यादव ने उक्त घटना के दोषी अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की ओर से समुचित कार्यवाही किए जाने का प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया ।

पर्यावरण रक्षा के लिए हर स्तर पर प्रयास बढ़ाने की जरूरतः प्रधान जिला न्यायाधीश

- नीमवन एवं स्वर्ण रेखा के उद्गम स्थल के समीप किया गया पौधरोपण

ग्वालियर। पर्यावरण रक्षा के लिए हर स्तर पर प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। पर्यावरण के बिगड़ने की गति बढ़ी है, जिससे मानव समाज के साथ पशु, पक्षियों, वनों एवं प्रकृति के प्रत्येक अंग के लिए विपरीत परिस्थिति बनी है। समय-समय पर पर्यावरण की रक्षा के लिए शासकीय व अशासकीय स्तर पर प्रयास होते हैं। ऐसे प्रयासों को और तेज करने की जरूरत है। यह विचार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीसी गुप्ता ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व वनमंडल ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को ग्राम रायपुर के नीम-वन के समीप और रामपुर डेम के पीछे स्थित स्वर्ण रेखा नदी के उद्गम स्थल आयोजित किये गये वृहद पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। इस मौके पर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 3900 पौधे रोपे गए।

सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश पीसी गुप्ता ने पौधा रोपा। साथ ही जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष दवंडे, विशेष न्यायाधीश प्रमोद कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार मुजाल्दा, जिला रजिस्ट्रार एवं अभियान के नोडल अधिकारी नितिन कुमार मुजाल्दा, नगर निगम मजिस्ट्रेट धर्म कुमार सहित जिला मुख्यालय के समस्त न्यायाधीश, वनमंडल अधिकारी अंकित पांडे, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा, एसडीओ वन मनोज जाटव, वन परिक्षेत्र अधिकारी सुखदेव शर्मा, दीपांश शर्मा, निरीक्षक धवल सिंह यादव व डिप्टी रेंजर कालीचरण चतुर्वेदी सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व वन विभाग के कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे।

राज्यमंत्री गौर ने की गोविन्दपुरा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को निवास कार्यालय में गोविन्द?पुरा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों को समय सीमा में करने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गोविन्दपुरा में एम जी एम विद्यालय से खजूरी बायपास और पिपलानी से खजूरी-कला बायपास मार्ग निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी उनके अधीनस्थ अमले के कार्यों की मानीटरिंग करें एवं विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करवाए। एसडीएम गोविन्दपुरा श्री एल. के. खरे नगर निगम, लोक निर्माण , पुलिस सहित संबंधित विभागों के अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी का कार्यकाल मार्च 2025 तक बढ़ाया गया

ग्वालियर। केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी मिशन का कार्यकाल 9 महीने के लिए बढ़ाया गया है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, स्मार्ट सिटीज विभाग, भारत सरकार द्वारा प्राप्त आदेश के बाद आधिकारिक रूप से स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल सभी स्मार्ट सिटीज का कार्यकाल बढ़ कर 31 मार्च 2025 हो गया है।

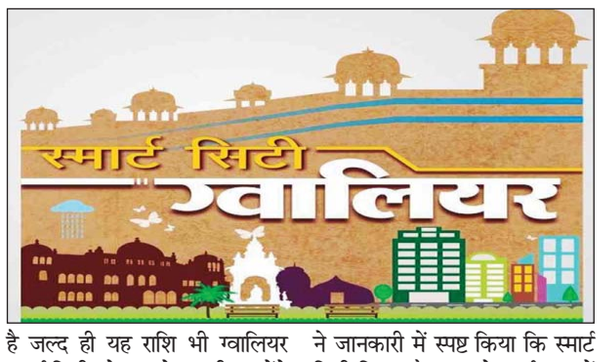

ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर ने बताया कि केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के कार्यकाल को 9 माह के लिए बढ़ाते हुए 31 मार्च 2025 कर दिया है। श्रीमती माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा ग्वालियर स्मार्ट सिटी को अंतिम शेष राशि के आबंटन के आदेश भी जारी कर दिए है जल्द ही यह राशि भी ग्वालियर स्मार्ट सिटी को प्राप्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी की ओर से प्रोजेक्ट पर काफी तेजी से कार्य किया जा रहा है और जल्द ही स्मार्ट सिटी की शेष प्रगतिरत परियोजनाओं को पूरा कर लिया जाएगा। श्रीमती माथुर ने जानकारी में स्पष्ट किया कि स्मार्ट सिटी मिशन के इस बढे कार्यकाल में पहले से तय राशि से जो प्रोजेक्ट प्रगतिरत है उन्हें पूर्ण किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा इस बढे कार्यकाल में कोई नई राशि का आबंटन नही किया जाएगा।ग्वालियर स्मार्ट सिटी का कार्यकाल 9 माह बढ़ने से ऐसी परियोजनाएं जिनका कार्य अभी कुछ समय पहले ही शुरू हुआ है उन्हें भी अब इस बढे कार्यकाल में पूर्ण किया जा सकेगा। इन परियोजनाओं में स्मार्ट सिटी द्वारा क्रियान्वित परियोजनाओं में थीम पार्क निर्माण, संग्रहालयों का उन्नयन कार्य, ओल्ड नगर निगम बिल्डिंग जीणोद्धार है। तो वहीं स्मार्ट सिटी द्वारा नगर निगम को प्रदान वित्तीय राशि से किये जा रहे डिपॉजिट वर्क की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गांधी रोड सोन्दीयकरण, कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य, म्यूजिक एंड फाइन आर्ट कॉलेज, जंक्शन इम्प्रोवमेंट, नगर निगम म्यूजियम का उन्नयकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल है।

डीएसआर पद्धति से धान व बीबीएफसे सोयाबीन फसल की बुवाई करने का लक्ष्य

- किसानों को समय, श्रम, लागत व पानी की होगी बचत

ग्वालियर। धान व सोयाबीन फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिये कृषि वैज्ञानिकों ने नई तकनीक का इजाद कर प्रचार प्रसार करने के उददेश्य से ग्वालियर में लक्ष्य तय किया है। धान के लिये डायरेक्ट सीड राइस डीएसआर व सोयाबीन के लिये बीबीएफ पद्धति से बुवाई की जा रही है।

कृषि संयुक्त संचालक डीएल कोरी व उपसंचालक आरएस शाक्यवार ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुये बताया कि किसानों के लिये यह दोनों पद्धति बहुत उपयोगी है। इससे धान में पानी, श्रम, लागत और समय की काफी बचत होगी। साथ ही उत्पादन भी अच्छा होगा। डीएसआर पद्धति में धान की पौध लगाने की जगह खेतों की क्यारी में बीज छिड़ककर की जाती है। इससे लागत में काफी कम आती है। इसी तरह सोयाबीन में बीबीएफ पद्धति से खेती करने की सलाह दी जा रही है। यह विधि मेंढ़ा बंधान कर बुवाई की जा रही है। दोनों फसलों के लिये कृषि वैज्ञानिकों ने क्षेत्र में जाकर डेमोट्रेशन करके दिखाया है। इस अवसर पर कृषि संयुक्त संचालक डीएल कोरी व उपसंचालक आरएस शाक्यवार, एके बिसोरिया, एडीओ, एसएडीओ एवं आरएईओ आदि अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान किसानों की समस्यायें सुनकर समाधान भी किया।

कृषि अधिकारियों ने कहा कि कृषकों को इधर उधर न भटकना पड़े इसीलिये उनकी समस्यायें मौके पर ही निबटाई गई। साथ ही बताया गया कि खरीफ फसल की बुवाई शुरू हो चुकी है। ऐसे में दलहन फसल का रकबा बढ़ाने का प्रयास करें। शासी की लोक कल्याणकारी योजनाओं में ज्यादा से ज्यादा भाग लेकर लाभ लें। जब जो तकनीकी मार्गदर्शन चाहते है वह हर समय किसान भाईयां को उपलब्ध रहेगा।

वन भूमि में संचालित मधुवन होटल की बेदखली को लेकर नोटिस चस्पा

ग्वालियर। ग्वालियर वन मंडल के वन क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मधुवन होटल में वन अधिकारियों के निर्देशन में स्थानीय वन अमले ने शनिवार को नोटिस चस्पा किया है। नोटिस के माध्यम से होटल संचालक को निर्देशित किया गया है कि वन क्षेत्र की भूमि में अवैध निर्माण कर संचालित मधुवन होटल को खाली किया जाये नहीं तो वन विभाग के द्वारा बेदखली की कार्रवाई की जायेगी।

जानकारी के अनुसार उत्तर घाटीगांव वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन चौकी रेंहट कक्ष क्रमांक आरएफ 294 पर अवैध वन भूमि पर संचालित मधुवन होटल जो कि श्रीमती प्रियंका शर्मा पत्नी विनय शर्मा के नाम है। उनके खिलाफवन विभाग में वन अपराध दर्ज भी है। थाटीपुर निवासी श्रीमती प्रियंका शर्मा के द्वारा वन क्षेत्र में मधुवन होटल के नाम से संचालित है। न्यायालय में यह प्रकरण वन विभाग के खाते में पहुंच गया है। इसके बाद वन अधिकारी हरकत में आ गये है। अधिकारियों के निर्देशन में रेंहट चौकी प्रभारी लक्ष्मण दास कढ़ा, अतुल परिहार, मदन दुबे व महेश समाधिया ने शनिवार को मौके पर पहुंचकर होटल के मुख्य गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया है। नोटिस चस्पा करते समय होटल स्टाफ ने धक्का देकर भगा दिया।

मुरार ब्लाक अध्यक्ष शर्मा का सेवानिवृत्त समारोह हुआ

ग्वालियर। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ के मुरार ब्लाक अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार शर्मा के सेवानिवृत्त सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। समारोह में अजय कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ, धर्मवीर सिंह धुरैया जिला उपाध्यक्ष जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ, संकुल प्राचार्य ईदल सिंह भदौरिया, महेश सिंह धुरैया, जगन्नाथ पाल, गजेंद्र सिंह धुरैया, अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य कई कर्मचारी उपस्थित हुए।

बेखौफ मनचले ने किशोरी से की छेड़छाड़, घर में घुसकर की मारपीट

ग्वालियर। एक बेखौफ मनचले ने जब नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ की और जब नाबालिग छात्रा ने विरोध किया तो बदमाश ने नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर मारपीट की और घर तक जला देने की धमकी दी। धमकी का शिकार पीडिता थाने पहुंची और ममले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने नाबालिग छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बहोड़ापुर थान क्षेत्र के अमरा पहाड़ी जनकताल निवासी सोलह वर्षीय नाबालिग छात्रा है। बीते रोज वह थाने पहुंची और पुलिस से शिकायत की उसके घर के पास ही छोटू उर्फ सलमान पुत्र चांद खान रहता है। बीते रोज वह घर से निकलकर जा रही थी और कुछ ही दूरी पर पहुंची तो उसका रास्ता छोटू उर्फसलमान खान ने रोका और उससे अश्लील हरकतें करने लगा। जब उसने उसका विरोध किया और हाथ छुड़ाकर वहां से भागकर घर पहुंची। अभी वह कुछ काम कर रही थी कि तभी उसके घर में छोटू उर्फसलमान और उसका साथी शाहरूख खान घर के अंदर घुस आए और मारपीट कर दी। उसे बचाने उसकी मां आई तो उनसे भी अभद्रता की। आरोपियों ने धमकी दी कि अगर यहां पर रहना है तो हमारी बात माननी पडेगी और अगर बात नहीं मानी तो जान से खत्म कर देगे और मकान में आग लगा देंगे। छेड़छाड़ और धमकी से परेशान पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीडिता ने पुलिस अफसरों को बतायाकि काफी समय से आरोपी उसका पीछा कर परेशान कर रहा था। लेकिन बदनामी के डर से वह चुप रही थी तो उसकी हरकतें बढ़ गई तो वह पुलिस के पास पहुंची है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहे कार सवार ने लापरवाही से कार चलाते हुए स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र के होटल क्लॉर्क इन के पास की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपी चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। लक्ष्मण तलैया भोले की चक्की के पास रहने वाला तीस वर्षीय शुभम परिहार पुत्र शिव सिंह परिहार बीते रोज अपनी स्कूटी से स्टेशन जा रहा था। अभी वह इंदरगंज स्थित होटल क्लॉर्क इन के पास पहुंचा ही था कि तभी तेज रफ्तार आ रही कार क्रमांक एमपी 07 टीए 1913 के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक हवा में उछला और सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी चालक वहां से फरार हो गया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां पर अब उसकी हालत में सुधार है। पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

मैनेजर को अज्ञात बदमाशों ने पीटा

ग्वालियर। बस का इंतजार कर रहे एक मैनेजर की बाइक सवार तीन बदमाशों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना सिरोल थाना क्षेत्र के सिकरौदा चौराहा स्थित हाइवे की है। घटना का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जवाहर कॉलोनी डबरा निवासी कपिल भारती पुत्र खेमराज भारती सिकरौदा चौराहा स्थित भगवान रोकडिया सरकार पेट्रोलपंप पर मैनेजर है। रोजाना वह डबरा से आते-जाते है। बीते रोज घर जाने के लिए सिकरौदा तिराहे पर बस का इंतजार कर रहा था। इसी बीच एक बाइक पर तीन युवक आए और उसको गाली देते हुए निकले तो उसने विरोध किया। उसको विरोध करते देखकर बाइक सवार वापस लौट कर आए और उसकी मारपीट कर दी। मारपीट कर तीनों युवक भाग निकले। घटना की सूचना पीडित ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

भविष्य संवारने बच्चे और महिलाएं सीख रहे अनूठी विधाएं

- खेल खेल में मैटी बुनाई, पेंटिंग, रंगोली, मेंहदी, लिफाफे, पेपर का प्रशिक्षण

ग्वालियर। कोई नन्हा मुन्ना मैटी बुनाई सीख रहा है तो कुछ बच्चे कैनवास पर कूची चलाकर पेंटिंग के जरिए कल्पना के रंग भरने में जुटे हैं। उधर एक कोने में बच्चियां रंगोली बना रही हैं, मेंहदी लगाना सीख रही हैं। यहीं पर कुछ बच्चों के समूह कागज के लिफाफे, पेपर बैग, शादी के कार्ड, एलबम आदि बनाने की विधा में पारंगत हो रहे हैं। यह मनमोहक अनूठा दृश्य है सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के पटेल नगर, सिटी सेंटर स्थित कार्यालय परिसर का। दरअसल, सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने संस्था की सचिव डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी के संयोजन में यहां आसपास की कमजोर वर्ग की बस्तियों, झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले कामकाजी महिलाओं के बच्चों व उनकी माताओं के लिए निशुल्क प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है, जिसमें ये बच्चे व महिलाएं मैटी बुनाई, पेंटिंग, स्क्रेच, रंगोली, मेंहदी, लिफाफे, पेपर बैग्स, मैरिज काड्र्स आदि बनाने का प्रशिक्षण अनुभवी मार्गदर्शकों के संयोजन में प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने इस प्रशिक्षण अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी का एकमेव मकसद समाज के कमजोर, वंचित व कामकाजी वर्ग के बच्चों व महिलाओं का कैरियर संवरना है। शिविर में बच्चों व महिलाओं को खेल-खेल में और बेहद सुगम, सरल ढंग से उनकी मनपसंद ऐसी विधा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो उनके सुदृढ़ भविष्य निर्माण व कैरियर संवारने में काम आ सके। बड़ी संख्या में बच्चे व महिलाए उत्साह के साथ इस प्रशिक्षण शिविर का लाभ उठा रही हैं।

इस शिविर के आयोजन में प्रेमलता, संध्या माथुर, अनिता, ज्योति शर्मा, सपना तोमर द्वारा भी सक्रिय सहयोग कर बच्चों व महिलाओं को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पटेल नगर, सिटी सेंटर स्थित संस्था कार्यालय पर 4 जुलाई को दोपहर 3 से 4 बजे तक पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, संघर्ष, व्यक्तित्व व शिक्षाओं पर केंद्रित चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता दो आयु वर्ग 8 से 12 एवं 13 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए आयोजित की जाएगी।

पहले मारी टक्कर, फिर छीन ले गए ट्रक

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहे स्विफ्ट कार सवार ने आगे जा रही आयशर में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार सवारों ने अपने साथी बुला लिए और आयशर को जबरन ले गए। हादसा सिरोल थाना क्षेत्र के अडूपुरा पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। हादसे का पता चलते ही जिले भर की पुलिस एक्टिव हुई और हाइवे पर घेराबंदी की। जिस पर सिरोल, आंतरी तथा टेकनपुर चौकी के बल ने घेराबंदी कर स्विफ्ट, स्कार्पियो और आयशर को पकड़ लिया। मामला एक्सीडेंट का होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। शुक्रवार की रात सिरोल से डबरा की तरफ जा रही आयशर क्रमांक एमपी09जीजी 3077 जब अडूपुरा तिराहे के पास पहुंची तो तेज रफ्तार स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी08सीबी 8948 से भिडंत हो गई। हादसे के बाद कार सवारों ने आयशर चालक देवेन्द्र पर दबाव बनाया कि उनके नुकसान की भरपाई करे, लेकिन देवेन्द्र का कहना है कि वह जबरन ओवरटेक कर रहे थे और उसकी गलती उसकी नहीं है तो वह रूपये क्यों दें। दोनों पक्षों में हुई कहासुनी के बाद बात नहीं बनी तो कार सवारों ने अपने साथियों को बुला लिया और मौके पर एक स्कार्पियों में सवार युवक आ गए। मौके पर पहुंचे स्कार्पियो सवार युवक जबरन आयशर को ले गए। आयशर ले जाने के बाद देवेन्द्र ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही सिरोल थाना प्रभारी आलोक परिहार मौके पर पहुंचे और हाइवे पर घेराबंदी कराने के निर्देश दिए। जिस पर आंतरी थाना प्रभारी देवेन्द्र मिश्रा, टेकनपुर चौकी प्रभारी बलवीर मावई ने घेराबंदी की और कुछ ही देर में आंतरी थाना पुलिस ने जय गुरुदेव ढाबे के पास स्विफ्ट और स्कार्पियों को पकड़ लिया, वहीं टेकनपुर पुलिस ने आयसर को पकड़ लिया। टेकनपुर पर पुलिस ने जब आयशर को पकड़ा तो युवक उसकी चाबी निकालकर ले गए। जिससे आयशर के पहिए जाम हो गए और बीच सड़क पर होने के चलते एक अन्य ट्रक चालक ने उसमें टक्कर मार दी, जिसके चलते वहां पर जाम लग गया और पुलिस को आयशर हटाने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी, इसके बाद तीनों वाहन सिरोल थाने पहुंचा दिए हैं।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। मां को खाना बनाते छोड़कर एक 18 वर्षीय युवती ने अपने घर के आंगन में नीम के पेड़ पर लटककर फांसी लगा ली। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के मोहरमन सिंह का पुरा की है। युवती के फांसी लगाये जाने का पता तब चला जब मां ने बेटी को आवाज लगाई तो जवाब नहीं मिला और जब मां ने बाहर आकर देखा तो बेटी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। बेटी को फांसी के फंदे पर लटका देखकर मां की चीख निकल गई। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिजौली थाना क्षेत्र के मोहरमन सिंह का पुरा निवासी टिंकल राणा पुत्री हाकिम सिंह राणा 12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। टिंकल बीते रोज अपने कमरे में पढ़ रही थी और मां खाना बना रही थी। इसी बीच वह पास में लगे नीम के पेड़ के पास पहुंची और दुपट्टे का फंदा बनाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब मां ने खाना बना लिया और उसे आवाज लगाई तो उसकी आवाज नहीं आई, तो मां उसके कमरे में पहुंची तो कमरा खाली था। जब वह चौक में पहुंची तो वहां पर लगे नीम के पेड़ पर वह फांसी के फंदे से लटकी हुई थी। तुरंत ही उसे फंदे से उतारा और उसकी नब्ज टटोली तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। छात्रा की मौत का पता चलते ही मामले की सूचना पुलिस को दी गई। खुदकुशी की खबर पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

आमखो में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। कंपू पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार कंपू थाना क्षेत्र के विजय नगर आमखो निवासी चालीस वर्षीय विनोद कुमार रघुवंशी पुत्र रमेश कुमार रघुवंशी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब परिजन कमरे में पहुंचे तो वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अवैध रूप से भण्डारित 750 घनमीटर रेत जब्त

ग्वालियर। अवैध उत्खनन और उसके भंडारण करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन के अमले ने अभियान चला रखा है। अपने अभियान के तहत जिला प्रशासन के अमले ने शनिवार को डबरा राजस्व अनुविभाग क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की।

जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने ग्राम विर्राट के समीप अवैध रूप से भण्डारित लगभग 750 घनमीटर रेत जब्त किया है। रेत के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

गृह राज्यमंत्री को पैरामिलिट्री फोर्सेस ने ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियर्स वेलफेयर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि मंडल ने महासचिव रणवीर सिंह के नेतृत्व में 6 महत्वपूर्ण भलाई संबंधित मुद्दों को लेकर गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से नॉर्थ ब्लॉक कार्यालय में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। साथ ही एसोसिएशन की तरफ से उन्हें फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया गया। अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणा ने बताया कि गृह राज्यमंत्री से सुरक्षा बलों के सेवारत व सेवानिवृत्त जवानों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सिलसिलेवार चर्चा की गई। जिसमें जनवरी 2004 के बाद भर्ती जवानों की पुरानी पेंशन बहाली, राज्यों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों के गठन, अर्धसैनिक झंडा दिवस कोष की स्थापना, सीआईएसएफ जवानों को सीएलएमएस मदिरा सुविधा लागू करना आदि मुद्दे चर्चा का केंद्र रहे। प्रतिनिधि मंडल में सुभाष चंद्र, वीएस कदम, रणधीर सिंह, भीम सिंह बिष्ट, जिला ग्वालियर अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह यादव मौजूद थे।

विज्ञान महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह 1 जुलाई से

ग्वालियर। श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 1 जुलाई से 3 जुलाई तक दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम 1 जुलाई को प्रातः 9 बजे से कक्ष क्रमांक 77 में प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को महाविद्यालय के परिवेश तथा परम्पराओं से परिचित कराया जाएगा। साथ ही महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, परीक्षा, छात्रवृति, शासन की विभिन्न योजनाओं, खेल, शोध, कैरियर आदि की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालय के परिसर, विभिन्न विभागों, पुस्तकालय, प्रयोगशालों खेल के मैदान का भी भ्रमण कराया जायेगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में प्राध्यापकों द्वारा नवीन छात्रों से चर्चा कर उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में पंजीकरण के लिए सभी नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा एक लिंक भी भेजी गई है।

राज्य वनसेवा की मुख्य परीक्षा आज

ग्वालियर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा -2024 आज रविवार 30 जून को होगी। इस परीक्षा के लिए ग्वालियर में विजयाराजे कन्या महाविद्यालय मुरार में परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया है। इस परीक्षा में 179 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा प्रभारी एवं संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन ने बताया कि ग्वालियर में सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक-113 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कलेक्टर कार्यालय के अधीक्षक आई आर भगत को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। यह कंट्रोल रूम आज 30 जून को प्रातः 8 बजे परीक्षा समाप्ति तक कार्यशील रहेगा। परीक्षा कार्य से संबंधित शिकायत एवं सुझाव इस कंट्रोल रूम में दर्ज कराएँ जा सकेंगे। राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा के प्रभारी ने बताया कि राज्य लोक सेवा आयोग के दिशा- निर्देशानुसार अभ्यर्थी को परीक्षा शुरू होने से 30 मिनिट पहले परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना होगा। राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा ग्वालियर में इस परीक्षा के पर्यवेक्षणीय कार्य की जिम्मेदारी अवर सचिव एनके चंदवाड़ा को सौंपी गई है।

बच्चों को दी गई पॉक्सो एक्ट एवं कर्तव्यों की जानकारी

ग्वालियर। ÷बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएँ एवं उनका संरक्षण योजना÷ के अंतर्गत शनिवार को कंपू स्थित सीएम राइज शासकीय पद्माराजे कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। विधिक साक्षरता शिविर में जिला न्यायाधीश श्याम सुंदर झा ने लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) , गुड टच व बैड टच,महिलाओं व बच्चों के लिए टोल फ्री नंबर 1090 व 1098 के बारे में जानकारी प्रदान की। विधिक साक्षरता शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीष दवंडे ने विद्यालय के बच्चों को मूल अधिकार व मूल कर्तव्यों को विस्तार पूर्वक समझाया। साथ ही व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखंड तपन धारगा ने मोटर व्हीकल एक्ट के व्यवहारिक प्रावधानों, सायबर अपराध एवं मोबाईल फोन का सावधानी पूर्वक उपयोग करने के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने निरूशुल्क विधिक सहायता, उच्चतम न्यायालय द्वारा हिट एंड रन मामलों के संबंध में दिए गए दिशा निर्देश एवं नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी। विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रीना अग्रवाल ने शिविर की अध्यक्षता की और विधिक साक्षरता शिविर में मिली जानकारी को जीवन में सहेजकर रखने और इसका लाभ उठाने का आव्हान बच्चों से किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती माया भेलसेवाले ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक नरोत्तम गर्ग, श्रीमती प्रीतिबाला लचौरिया, सुश्री रजनी शर्मा व सुश्री निधि शर्मा सहित विद्यालय की अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।

JK TYRE

दिनांक- 29.06.2024

सूचना

हमारे संस्थान में कार्यरत् श्री हरेन्द्र कुमार उपाध्याय कार्ड नं. 31919/13464 सीनियर इंजीनियर क्वालिटी विभाग की सेवायें दिनांक 28.06.2024 से समाप्त कर दी गई हैं। इस कारण उनसे नियोक्ता कर्मचारी का संबंध समाप्त हो गया है। लिहाज़ा संस्थान से संबंधित किसी भी कार्य के लिए कोई इनसे संपर्क न करें।

आज्ञा से
जे.के. टायर प्रबंधन

संपादकीय

आलसी पीढ़ी

प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। यहां शारीरिक श्रम से अभिप्राय सप्ताह में मध्यम गति की ढाई घंटे की शारीरिक गतिविधि या सवा घंटे की तीव्र गति वाली शारीरिक सक्रियता से है। शारीरिक सक्रियता को पैदल चलने, व्यायाम, सैर, योग, दौड़, जिम या तैराकी आदि के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहां पचास फीसदी वयस्क भारतीय शारीरिक श्रम से दूर हैं तो महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण के चलते उपभोक्तावाद का विस्तार हुआ है, हमारी शारीरिक निष्क्रियता में इजाफा हुआ है। हम आरामदायक जीवन-शैली के आदी होते गये हैं। आशंका है कि वर्ष 2000 में भारतीयों में जो शारीरिक निष्क्रियता 22 फीसदी थी, वह वर्ष 2030 तक बढ़कर साठ फीसदी तक हो सकती है। यानी देश की साठ फीसदी आबादी गैर-संचारी रोगों मसलन डायबिटीज और हृदय रोगों के खतरे के दायरे में आ जाएगी। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीयों में अनुवांशिक रूप से मधुमेह व हृदय रोग होने की आशंका अन्यों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। जिसका निष्कर्ष है कि शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहने से हम इन बीमारियों को और जल्द आमंत्रित कर रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि जहां दुनिया में औसत शारीरिक निष्क्रियता पांच फीसदी बढ़कर 31 फीसदी हुई है, वहीं भारत में बढ़कर पचास फीसदी हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। जहां तक महिलाओं की शारीरिक निष्क्रियता का प्रतिशत पुरुषों से अधिक यानी 57 फीसदी होने का प्रश्न है, तो उसके मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में धारणा है कि घर का काम-काज ही शारीरिक सक्रियता का मापदंड है। जबकि यह समस्या की व्यावहारिक व्याख्या नहीं है।

निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। भले ही हम अपेक्षित लक्ष्य हासिल न कर पाए हों, औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है। आर्थिक समृद्धि ने हमें सुविधाभोगी बनाया है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े कार्यों में सक्रिय थी। मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं थी । लेकिन धीरे-धीरे कृषि में भी आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। किसान संस्कृति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। नौ से पांच की ड्यूटी करने वाले भी दफ्तर व घर के होकर रह गये। कहीं न कहीं सुविधाओं के विस्तार ने भी हमें आलसी बनाया। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। विडंबना यह है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रसार और उसके बाद सोशल मीडिया की जकड़ में आने के बाद लोग देर रात सोने व देर से उठने के फेर में फंस गये हैं। सुबह के समय, जब लोगों को व्यायाम, सैर, योग व दौड़ लगानी चाहिए, वे सो रहे होते हैं। शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। आज लोग कुछ न करने के बावजूद बहुत व्यस्त रहते हैं। लोग यदि अपने लिये रोज आधा घंटा भी निकाल सकें तो स्वस्थ रहने का मंत्र हासिल कर सकते हैं।

सत्तापक्ष व विपक्ष समझे मतदाता की चेतावनी

यह बात भाजपा के नेतृत्व को समझनी होगी कि मतदाता को जेब में रखने वाली सोच कभी सही नहीं हो सकती। मुफ्त अनाज और नकद सहायता जैसे कदम मतदाता को सीमित रूप से ही प्रभावित करते हैं। भरोसा नहीं जगाते सरकार के प्रति। प्रधानमंत्री तो यह भरोसा भी दिलाना चाहते हैं कि उन्हें लगता है कि वे दैवी कृपा का पात्र बनकर ईश्वर द्वारा भेजे गये हैं।

अठारहवीं लोकसभा का अधिवेशन प्रारंभ हो गया है। संसद में सरकार की नीति और नीयत को लेकर बहस शुरू हो चुकी है। लेकिन फिर सरकार और विपक्ष दोनों संविधान की रक्षा की दुहाई देकर आमने-सामने हैं। सदन के बाहर विपक्ष के सांसद संविधान की रक्षा के नारे लगा रहे थे और भीतर सत्तारूढ़ पक्ष भी यही बात कह रहा था। बात दोनों एक ही कर रहे थे, पर संदर्भ अलग-अलग थे। ऐसे में एक सामान्य नागरिक का असमंजस समझ में आने वाली बात है। आखिर संविधान की रक्षा का मतलब क्या है?

मतलब यह है कि जिन मूल्यों और आदर्शों को आधार बनाकर संविधान की रचना की गयी थी, सांसद पूरी ईमानदारी के साथ उनका पालन करें। यह तो आने वाला कल ही बतायेगा कि हमारे राजनेता कितनी ईमानदारी के साथ यह काम करते हैं, लेकिन संसद के इस अधिवेशन का आगाज बता रहा है कि अंजाम कुछ हल्लेदार ही होगा। शुरुआत प्रधानमंत्री ने कर दी थी। सत्र प्रारंभ होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने दो-तीन ऐसी बातें कहीं हैं जिनकी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। मसलन, उन्होंने यह दोहराना ज़रूरी समझा कि मतदाता ने उनकी पिछली सरकार की नीति और नीयत में विश्वास प्रकट करके ही उन्हें लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दायित्व सौंपा है।

बात यहीं से शुरू होती है। यह सही है कि लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है पर यह नहीं भूल जाना चाहिए कि पिछली दो पारियों में भाजपा का अपना स्पष्ट बहुमत था और सहयोगी दल भाजपा की अनुकंपा से ही सरकार का हिस्सा बन सके। इस बार स्थिति ऐसी नहीं है, भाजपा सबसे बड़ा दल ज़रूर है, पर यह मिली-जुली सरकार बैसाखियों के सहारे राज करेगी। इसलिए प्रधानमंत्री को अपनी छवि बनाए रखने के लिए समझौतावादी दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा– यह रुख विपक्ष के प्रति ही नहीं, अपने सहयोगी दलों के प्रति भी अपनाना होगा। चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगू देसम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश की जेडीयू कब क्या रुख अपना ले, कहा नहीं जा सकता। यह सही है कि फिलहाल इन दो दलों की भूमिका को लेकर कोई आशंका नहीं है, पर राजनीति संभावनाओं का खेल है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक सभा में नायडू पर व्यंग्य करते हुए उन्हें 'दल बदलने में और खुद के ससुर की पीठ में छुरा घोंपने में 'सीनियर' बताया था और इसके कुछ ही अर्सा बाद टीडीपी के नेता नायडू ने यह कहकर जैसे बदला चुकाया था कि 'मैं पहला आदमी था जिसने 2002 के दंगों के बाद उनसे (मोदी से) इस्तीफा मांगा था'। तब चंद्रबाबू नायडू ने मोदी जी को अतिवादी तक कह दिया था।

राजनीतिक स्वार्थ के चलते हमारे नेता ऐसी बातों को भुला देने का नाटक अच्छी तरह कर लेते हैं, पर राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं होता। बहरहाल, संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने मीडिया के समक्ष दो-तीन ऐसी बातें कहीं हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जाना चाहिए। मसलन, प्रधानमंत्री का यह कहना कि जनता सदन में तमाशा नहीं देखना चाहती, हो-हल्ला भी नहीं, विपक्ष के निशाने पर रहेगा। मज़बूत विपक्ष लोकतंत्र को मज़बूत बनाता है, और इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछली बार की तरह इतना कमज़ोर नहीं है कि सरकार उसे हल्के में ले सके। यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि बनारस के मतदाता ने इस बार प्रधानमंत्री को उतना समर्थन नहीं दिया है जितना पिछली दो बार उन्हें मिला था। ऐसे में, भले ही प्रधानमंत्री अपनी दबंग नेता वाली छवि को बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं, पर वस्तुस्थिति यह है कि अब वह पहले जितने कद्दावर नेता नहीं रहे। स्पष्ट है, पिछली दो बार की तरह वे अब मनमानी नहीं कर पाएंगे। स्थिति यह है कि एक ओर तो विपक्ष जो अब पहले से कहीं अधिक बलशाली है, और अधिक आक्रामक हो सकता है। दूसरी ओर भाजपा के भीतर भी ऐसी स्थितियां पनप सकती हैं जो प्रधानमंत्री को कमज़ोर बना दें। इस संदर्भ में भाजपा की पितृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बदले तेवरों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। भाजपा के नेतृत्व को यह भी समझना होगा कि चुनाव में इस बार पहले जैसी सफलता का न मिलना यह भी बताता है कि उसका जन-समर्थन कम हुआ है। बात सत्ता विरोधी रुख तक सीमित नहीं है। यह एक चेतावनी है भाजपा के लिए, विशेषकर प्रधानमंत्री के लिए कि उनकी शासन-व्यवस्था में खामियां थीं। महंगाई और बेरोज़गारी जैसे बुनियादी सवालों को पिछली सरकार ने उतनी गंभीरता से नहीं लिया, जितनी गंभीरता से लेना चाहिए था।

यह बात भाजपा के नेतृत्व को समझनी होगी कि मतदाता को जेब में रखने वाली सोच कभी सही नहीं हो सकती। मुफ्त अनाज और नकद सहायता जैसे कदम मतदाता को सीमित रूप से ही प्रभावित करते हैं। भरोसा नहीं जगाते सरकार के प्रति। प्रधानमंत्री तो यह भरोसा भी दिलाना चाहते हैं कि उन्हें लगता है कि वे दैवी कृपा का पात्र बनकर ईश्वर द्वारा भेजे गये हैं। हाल ही में उन्होंने इस आशय का बयान भी दिया था कि उन्हें ईश्वर ने किसी बड़े काम के लिए भेजा है! यह बड़ा काम क्या है यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया, लेकिन चुनाव-परिणाम बता रहे हैं कि कुल मिलाकर मतदाता उनकी ऐसी बातों से प्रभावित नहीं हुआ है। जनता को ठोस परिणाम चाहिए, जुमलों का गुलदस्ता नहीं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने छोटे से भाषण में कुछ भी कहना ज़रूरी नहीं समझा।

हां, 25 जून के हवाले से उन्होंने एक बात अवश्य कही जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह बताना ज़रूरी समझा कि 50 साल पहले इसी दिन देश में आपातकाल लागू किया गया था और विरोधी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। वह काल हमारे लोकतंत्र का एक काला अध्याय है। यह बात कहकर संभवत– प्रधानमंत्री कांग्रेस पार्टी को एक तरह से चेतावनी दे रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अब कोई देश में आपातकाल लागू नहीं कर पायेगा। संविधान में संशोधन करके जनता पार्टी की सरकार ने ऐसी व्यवस्था तो कर दी थी कि फिर कोई शासक आपातकाल लागू न कर पाये, पर शासक के मन में एकाधिकारवादी सोच पनप ही न पाये ऐसी व्यवस्था सिर्फ देश का मतदाता ही कर सकता है। इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि अति लोकप्रियता किसी भी शासक को अहंकार और तानाशाही सोच से भर सकती है। इसलिए चुनाव-परिणाम को इस तरह से भी समझा जाना ज़रूरी है कि मतदाता ने एक गंभीर चेतावनी दी है। यह चेतावनी सिर्फ सत्तारूढ़ पक्ष के लिए ही नहीं है, विपक्ष को भी समझना होगा कि देश का मतदाता उससे भी बहुत अपेक्षाएं रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और विपक्ष दोनों ही इस चेतावनी की गंभीरता को समझेंगे। जहां तक संविधान की रक्षा का सवाल है तो यह काम देश का जागरूक नागरिक अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता है। अभी उसने संकेत दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस संकेत को हमारे राजनेता समझेंगे।

आज का इतिहास

- स्विट्जरलैंड के बर्ने प्रांत से यहूदियों को 1294 में बाहर निकाला गया।
- क्रिस्टोफर श्लेस ने 1868 में टाइपराइटर के लिए पेटेंट अधिकार हासिल किया।
- अदा केपले यूएस में 1870 को लॉ कॉलेज से ग्रेजुएट करने वाली पहली महिला बनीं।
- सर्बिया ने 1876 में तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- फ्रेडरिक डगलस 1888 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकित होने वाले पहले अफ्रिकी-अमेरिकी बने।
- सोलबॉन पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना 1894 में हुई।
- लंदन में टॉवर ब्रिज को 1894 में खोला गया।
- दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिये आंदोलन करने के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 1914 में पहली बार गिरफ्तार किया गया।
- फासीवाद के खिलाफ 1933 को एंटवर्प में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया।
- ईसवी को जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ़ हिटलर ने 1934 में अपनी नेशनल सोशियालिस्ट पार्टी में विरोधियों का सफ़ाया कर दिया।
- दुनिया का पहला इमरजैंसी नंबर 999 लंदन में 1937 को जारी किया गया था।
- बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार 1938 में कॉमिक्स (डीसी कॉमिक्स एक्शन सीरीज भाग-1) में नज़र आया।
- भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के विभाजन के लिए बाउंडरी कमीशन के सदस्यों की घोषणा 1947 में की गई।
- ब्रिटिश सेना की अंतिम टुकड़ी इजरायल छोड़ स्वदेश 1948 को रवाना हुयी।
- अमेरिका ने 1960 में क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का निर्णय लिया।
- रवांडा और बुरूंडी देश 1962 में स्वतंत्र हुये।
- अमेरिका का पहला महिला संगठन नेशनल ऑर्गनाइदेशन फॉर वुमेन का गठन 1966 में किया गया।
- लेबनान में 1985 को बंधक बनाए गए 39 अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार किए गए।
- पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी ने 1990 में अपनी अर्थव्यवस्था का विलय किया।
- फ्रांस के तोलूज़ में 1994 को ए-330 एयरबस विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सात लोग मारे गये।
- हांगकांग पर से 1997 में ब्रिटिश हुकूमत खत्म हुई।
- आस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री तथा नेशनल पार्टी के नेता टीम फ़िशर का इस्तीफ़ा 1999 में दिया।
- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 2000 में इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता दी।
- ब्राजील ने 2002 में जर्मनी को 2-0 से हराकर फ़ुटबाल के विश्व कप पर कब्ज़ा किया।
- ब्राजील ने 2005 में कनफ़ेडरेशन फ़ुटबाल कप जीता।
- स्पेन में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता 2005 को दी गयी।
- 2006 के फ़ुटबाल विश्वकप में जर्मनी ने अर्जेन्टीना को हराया।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में आम सहमति से शांति रक्षण विभाग के बंटवारे का निर्णय किया।
- रविकांत, उमा शंकर चौधरी व विमल चन्द्र पाण्डेय को 2008 में संयुक्त रूप से भारतीय ज्ञानपीठ का नवलेखन पुरस्कार प्रदान किया गया।

मनोरंजन के बाजार में वायरल संस्कृति का दौर

सनसनी से खलबली, खलबली से टीआरपी, टीआरपी से एमआरपी और एमआरपी से कमाई- आज के दौर में इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री इसी सूत्र पर कार्य करती दिखाई दे रही है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पारंपरिक मीडिया पर हावी हो चुका है। अब ये सोशल मीडिया सलेब्रिटी दे रहा है। बहुत दिन नहीं हुए हैं जब हमारे बीच सलेब्रिटी या तो टीवी के सीरियल से आते थे या उससे भी पहले केवल फिल्मों के अभिनेता ही सलेब्रिटी कहलाते थे। इसके अतिरिक्त कुछ पॉलिटिशियन, बिजनेसमेन, खिलाड़ी, गायक, कलाकार, या कुछ अन्य विशिष्ट योग्यता रखने वाले ही प्रसिद्ध व्यक्तित्व के रूप में उभरते थे। दौर बदला तो कुछ क्राइम की दुनिया के लोग भी प्रसिद्धि पाने लगे।

इंटरनेट के मोबाइल पर उतर आए जलवे ने सोशल मीडिया टर्म का विकास किया। आज के दौर में हर व्यक्ति के हाथ में उसका मीडिया तंत्र है। इस तंत्र में व्यक्ति चाहे तो दर्शक बन सकता है और चाहे तो मीडियाकर्मी भी। यह दौर वायरल का दौर है। कौन, कब और कैसे वायरल होगा- इसका कोई सैद्धांतिक पक्ष अभी निर्धारित नहीं हो पाया है। पहले लोग जिस फील्ड में प्रसिद्ध होते थे तो उसके लिए बहुत मेहनत करते थे। किंतु आज यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स ने यह मिथक तोड़ दिया है। अब तो कोई कुछ भी कह कर या बेच कर फेमस यानी सलेब्रिटी बन सकता है।

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बिग बॉस के ओटीटी सीरीज नं.-3 की शुरुआत हुई। यह तो विदित है कि यह शो सलेब्रिटीज के लिए ही है। इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों को एक मकान में बंद रखा जाता है। उनकी हर गतिविधि पर सैकड़ों कैमरे नज़र रखते हैं। उनके वास्तविक व्यवहार को ही इस शो का कंटेंट बनाया जाता है। और 24 घंटे इनकी हरकतों व व्यवहार को जनता के सामने परोसा जाता है। इस सब से ही टीआरपी डेवलप की जाती है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थानों से विज्ञापन ले कर यह शो करोड़ों के वारे-न्यारे करता है। शो में आने वाले सलेब्रिटीज प्रति सप्ताह के अच्छे-खासे बजट पर इसमें शामिल होते हैं। इस बार के शो में भी कुछ विख्यात और तो कुछ कुख्यात शख्सियतों का इसमें जमघट है।

इस शो में आने वाले सलेब्रिटी हमेशा ही विवादों में रहने वाली शख्सियतें होती हैं। इस बार जो सीजन-3 प्रारंभ हुआ है उसके सभी प्रतिभागी किसी न किसी कारण से वायरल हुए लोग ही हैं। अपवाद को छोड़ दें, तो इनमें से ज्यादातर की व्यक्तिगत उपलब्धि इतनी ही है कि ये बहुत कम समय में प्रसिद्ध हो गये या विवादित हो गये। या किसी न किसी कंट्रोवर्सी का हिस्सा बन गये। इसके अतिरिक्त इनमें से अधिकतर की कोई नैतिक भूमिका समाज की कोई दिशा-दशा तय करने में नहीं ही रही।

वैसे तो बिग बॉस का ओटीटी शो हो या प्राइम टाइम में चलने वाला शो जिसके होस्ट सलमान खान रहते हैं- दोनों में ही अकसर कंट्रोवर्सियल व्यक्तियों को शामिल किया जाता है। वजह यह कि उनके झगड़े, तेवर, बेहूदगी, वाहियात व अश्लील हरकतें, फूहड़ बयानबाजी, गाली-गलौज, तू-तड़ाक, अहंकार के टकराव, बड़बोलापन, और जितनी भी बदतमीजियां हो सकती हैं, वही इस शो का मूल कंटेंट होता है, जिसे टीवी या अब ओटीटी के माध्यम से समाज को दिखाया जाता है।

यह शो समाज के हित में तो किसी भी तरह नहीं कहा जा सकता। यूं भी इंटरटेनमेंट मीडिया ने अपना नैतिक जिम्मेदारी का पथ तो कब का छोड़ दिया है। इंटरटेनमेंट के चक्कर में फिल्मी डायलॉग वाला सिद्धांत ही सब मानने लगे हैं कि इंटरटेनमेंट का मतलब है- इंटरटेनमेंट, इंटरटेनमेंट और इंटरटेनमेंटज। चाहे वह इंटरटेनमेंट फूहड़ बयानों से आये या अश्लील हरकतों से। समाज इन दृश्यों को देख कर कहां जाएगा? कहां जाना चाहिए और कैसा समाज इस तरह के शो से बनेगा इसकी चिंता करने का जिम्मा इंटरटेनमेंट मीडिया ने अलग रख दिया है। नये सीजन में जो लोग आ रहे हैं उनमें ज्यादातर यूट्यूब या सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसिद्ध हुए हैं।

इस बार बिग बॉस के ओटीटी सीजन-3 की होस्टिंग झकास अभिनेता अनिल कपूर कर रहे हैं। शो का जो फॉर्मेट है और जैसा कंटेंट शो को चाहिए होता है -हो हल्ले वाला, गाली-गलौज व लड़ाई-झगड़े वाला- इसके लिए सब मजबूत किरदार घर यानी शो के स्थल में प्रवेश पा चुके हैं।

समाज को ये किरदार क्या देंगे ऐसे प्रश्न यूं भी आज के दौर में बेबुनियाद लगते हैं। हमारा इंटरटेनमेंट मीडिया तंत्र आदर्श और नैतिक किरदारों को पैदा करने की नीयत से अमूमन कभी कोई शो बनाता ही नहीं है। यहां तो हर किसी को सनसनी फैलानी है। नैतिकता की छाती पर सनसनी और फूहड़ता के कई झंडे गड़ चुके हैं। 'महंगाई के जमाने में शुद्धता की उम्मीद न रखो'- ये उक्ति मीडिया और इंटरटेनमेंट की मार्केट के बारे में भी प्रकारांतर से इस तरह कही जा सकती है कि इंटरटेनमेंट के दौर में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की उम्मीद लगभग बेमानी है।

राहुल गांधी : विपक्षी नेता का रुतबा

सदन की कार्यवाही सुबोध तरीके से चलाने में उसकी भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी की सरकार या सत्ता पक्ष की।' इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता का किरदार निभाना संसदीय परंपराओं व नियमों के तहत कितना मुश्किल भरा काम हो सकता है। श्री राहुल गांधी ने इस पद पर बैठ कर सिद्ध कर दिया है कि वह 24 घंटे के राजनीतिज्ञ हैं और उनका निजी जीवन एक खुली किताब है।

कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद ग्रहण करके पिछले दस साल से खाली चले आ रहे उस स्थान को भरा है जिसे संसदीय लोकतन्त्र में छाया प्रधानमन्त्री (शेडो प्राइम मिनिस्टर) कहा जाता है। 2012 में संसद के बारे में छपी एक आधिकारिक पुस्तिका में कहा गया है कि 'लोकसभा में विपक्ष का नेता छाया प्रधानमन्त्री के समान समझा जाता है जिसका अपना छाया मन्त्रिमंडल होता है जो सत्तारूढ़ सरकार के इस्तीफा देने या लोकसभा में हार जाने के बाद तुरन्त शासन की बागडोर अपने हाथ में लेने के लिए तैयार रहता है। संसदीय प्रणाली सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आपसी समझदारी और सामंजस्य से चलती है अतः विपक्ष का नेता प्रधानमन्त्री को सरकार चलाने देता है मगर उसे इसका विरोध करने की इजाजत भी होती है। सदन की कार्यवाही सुबोध तरीके से चलाने में उसकी भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी की सरकार या सत्ता पक्ष की।' इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता का किरदार निभाना संसदीय परंपराओं व नियमों के तहत कितना मुश्किल भरा काम हो सकता है। श्री राहुल गांधी ने इस पद पर बैठ कर सिद्ध कर दिया है कि वह 24 घंटे के राजनीतिज्ञ हैं और उनका निजी जीवन एक खुली किताब है। अक्सर संसदीय लोकतन्त्र के बारे में यह भी कहा जाता है कि विपक्ष का काम सरकार के चेहरे से नकाब हटाना (एक्सपोज करना) होता है। सरकार का विरोध करना होता है और यदि संभव हो तो इसे सत्ता से बेदखल करना (डिपोज) होता है। मगर लोकतन्त्र में सरकार का गिरना या मजबूत होना लोकसभा के भीतर सदस्यों का अंकगणित होता है। जिसके पक्ष में अधिक सदस्य होंगे जीत उसी की होगी। वर्तमान 543 सदस्यों वाली लोकसभा में विपक्षी इंडिया गठबन्धन के मात्र 234 सदस्य हैं जबकि सत्तारूढ़ एनडीए के 293 सदस्य हैं। अतः मोदी सरकार मजबूत पाले में खड़ी हुई है मगर विपक्षी सांसदों की संख्या देखते हुए उसे मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह किस प्रकार विपक्ष के एजेंडे को लोकसभा में मुखर रूप में लाते हैं। उनकी प्रमुख जिम्मेदारी सरकारी नीतियों को लेकर सरकार को एक्सपोज करने की ही रहेगी और संसद के माध्यम से अपने पक्ष में जन समर्थन जुटाने की रहेगी। संसद द्वारा 1977 में बनाये गये कानून के अनुसार उन्हें कैबिनेट स्तर के मन्त्री की सुविधाएं और रुतबा हासिल होगा तथा उनकी मौजूदगी हर उस उच्च स्तरीय चयन समिति में प्रधानमन्त्री के साथ होगी जो सीबीआई निदेशक, सतर्कता आयुक्त, केन्द्रीय सूचना आयुक्त, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्यों से लेकर इसके अध्यक्ष, चुनाव आयुक्तों व लोकपाल की नियुक्ति करेगी। इससे साफ है कि राहुल गांधी की जिम्मेदारियां इस कदर बढ़ जायेंगी कि उनके कार्यों पर देश की जनता की निगाह भी 24 घंटे रहेगी। मगर उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी विपक्ष के नेता पद की गरिमा को स्थापित करने की होगी क्योंकि पिछली लोकसभा में कांग्रेस के केवल 52 सदस्य होने की वजह से ही इसके नेता अधीर रंजन चौधरी को आधिकारिक तौर पर विपक्ष के नेता का रुतबा नहीं दिया गया था हालांकि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने की वजह से उन्हें विपक्ष के नेता के बराबर मान लिया गया था। इसके अलावा उनकी लोकसभा में छवि एक धीर-गंभीर नेता की न होकर विदूषक जैसी हो गई थी जिसकी बात को सत्तारूढ़ दल हंसी-मजाक में उड़ा देता था। राहुल गांधी को विपक्ष के नेता की प्रतिष्ठा कायम करनी होगी और इस प्रकार करनी होगी कि वह नियमानुसार छाया प्रधानमन्त्री के रूप में दिखाई दे। पिछले दस साल से मोदी सरकार के रहते लोकसभा में कांग्रेस के कुल लोकसभा शक्ति के दस प्र?तिशत सदस्य जीत न पाने की वजह से विपक्ष के नेता का रुतबा बहुत घटा है। राहुल गांधी की पार्टी द्वारा इन चुनावों में 99 सीटें जीतने के बाद मनोवैज्ञानिक तौर पर सत्तारूढ़ दल दबाव में आया है क्योंकि भाजपा की सीटें 303 से घट कर 240 ही रह गई हैं। अतः राहुल गांधी का मनोबल इस तथ्य से बहुत ऊंचा नजर आयेगा और वह कोशिश करेंगे कि इस लोकसभा में सत्तारूढ़ पार्टी विधेयकों को पारित करते समय धींगा मस्तानी न करें।

नवनिर्वाचित सांसदों को आवास दिलाना चुनौती से कम नहीं

राजीव रंजन सिंह जिन्हें लल्लन सिंह के नाम से भी जाना जाता है, को जद (यू) सांसद के रूप में लोकसभा से बाहर कर दिया गया था। उस समय जद (यू) विपक्ष का हिस्सा था। बाद में वह एनडीए में शामिल हो गये और अब हालिया चुनाव में ललन सिंह ने मुंगेर सीट जीत ली है। वह मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी के लिए मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

मोदी सरकार के पास 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसदों को आवास आवंटित करने का एक बड़ा काम है। लगभग 280 सांसद पहली बार सांसद बने हैं जिनके पास नई दिल्ली में आधिकारिक आवास नहीं है। इनके लिए आवास ढूंढने में लोकसभा आवास समिति को काफी माथापच्ची करनी होगी। इसका पहला काम हारे हुए 280 सांसदों से सरकारी आवास खाली कराना होगा। हालांकि भाजपा संभवतः अपने स्वयं के सांसदों पर कार्रवाई कर सकती है, किंतु समिति को अन्य दलों के सदस्यों के साथ खाली करवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अतीत में, हमने सरकारी आवास से जबरन बेदखली के उदाहरण देखे हैं, जिनमें सबसे हाई प्रोफाइल दिवंगत रालोद प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजीत सिंह की बेदखली थी। उनकी संपत्ति सचमुच उनके तुगलक रोड बंगले के सामने फुटपाथ पर फेंक दी गई थी जिसे उन्होंने छोड़ने से इनकार कर दिया था। वह चाहते थे कि इसे उनके पिता और किसान नेता चरण सिंह के स्मारक में बदल दिया जाए। नए सांसदों के अलावा, शहरी विकास मंत्रालय के तहत आने वाले संपदा निदेशालय को नवनियुक्त मंत्रियों के लिए उपयुक्त बंगले की तलाश करनी है। इस बार कम से कम 37 पूर्व मंत्रियों को केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटा दिया गया। कुछ को इसलिए क्योंकि वे स्मृति ईरानी, ??राजीव चन्द्रशेखर और अर्जुन मुंडा की तरह हार गए, अन्य को इसलिए क्योंकि उन्हें मंत्री के रूप में शामिल नहीं किया गया। हालांकि उन्होंने पुरूषोत्तम रूपाला की तरह चुनाव जीता था। मीनाक्षी लेखी को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया था। शिवराज सिंह चौहान और मनोहर खट्टर जैसे कुछ लोग न केवल पहली बार सांसद बने हैं, वे केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी हैं और उनकी वरिष्ठता के कारण उनके लिए समुचित आवास की व्यवस्था करनी है।

17वीं लोकसभा के पिछले शीतकालीन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा निलंबित किए गए लगभग 58 सांसद नई संसद में वापस आ गए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इनमें से तीन निलंबित सांसद अब एनडीए में हैं और उन्हें मोदी 3.0 सरकार में मंत्री नियुक्त किया गया है। हालांकि उनमें से एक लोकसभा चुनाव हार गए। लुधियाना से चुने गए कांग्रेस के तत्कालीन लोकसभा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को उनकी पार्टी के बाकी सांसदों के साथ निलंबित कर दिया गया था। वह चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन लुधियाना सीट कांग्रेस उम्मीदवार से हार गए थे। वह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं। मोदी ने उन्हें खाद्य प्रसंस्करण और रेलवे राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया।

राजीव रंजन सिंह जिन्हें लल्लन सिंह के नाम से भी जाना जाता है, को जद (यू) सांसद के रूप में लोकसभा से बाहर कर दिया गया था। उस समय जद (यू) विपक्ष का हिस्सा था। बाद में वह एनडीए में शामिल हो गये और अब हालिया चुनाव में ललन सिंह ने मुंगेर सीट जीत ली है। वह मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी के लिए मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। विपक्षी सांसदों के सामूहिक निलंबन के दौरान जद (यू) में सिंह के सहयोगी राम नाथ ठाकुर को भी बाहर कर दिया गया था। वह राज्यसभा सदस्य हैं और जदयू नेता नीतीश कुमार की 'चतुर' राजनीति के कारण, ठाकुर अब एनडीए में हैं और मोदी सरकार में कृषि राज्य मंत्री हैं।

हाल के चुनावों में मिले बड़े झटके के बाद बीजेडी प्रमुख नवीन पटनायक ने पाला बदलने का फैसला किया है। पिछले एक दशक से बीजेपी का समर्थन करने के बाद अब उन्होंने घोषणा की है कि राज्यसभा में उनके 9 सांसद विपक्ष के साथ मिलकर मोदी सरकार का विरोध करेंगे। पटनायक की बीजेडी ओडिशा में सभी 21 लोकसभा सीटें हार गई और राज्य विधानसभा चुनाव भी बीजेपी से हार गई। दस वर्षों तक, मोदी सरकार बीजेडी के समर्थन की बदौलत कई विवादास्पद विधेयकों को राज्यसभा में पारित कराने में सफल रही। उसे बीजद जैसी ‘मित्रवत’ पार्टियों की मदद की ज़रूरत थी क्योंकि भाजपा के पास राज्यसभा में अपना बहुमत नहीं है। अब जब बीजेडी ने फैसला किया है कि वह सत्तारूढ़ शासन का समर्थन नहीं करेगी, तो मोदी सरकार को राज्यसभा में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, जहां उसके पास अभी भी बहुमत नहीं है।

▫ भारत ने बनाया विमेंस टेस्ट का सबसे बड़ा टीम स्कोर

दूसरे दिन 603 पर पारी घोषित की, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला जा रहा मैच

लखनऊ ● एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेली जा रही एक मैच की टेस्ट सीरीज में भारत का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने विमेंस टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक इनिंग का सबसे बड़ा टोटल बना दिया है। मैच के दूसरे दिन यानी शनिवार को टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 603 रन पर पारी घोषित की। इससे पहले, सबसे बड़े टीम स्कोर का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। उन्होंने इस साल 15 फरवरी को साउथ अफ्रीका के ही खिलाफ 9 विकेट खोकर 575 पर पारी घोषित की थी।

भारत की इस पारी में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने सबसे तेज दोहरा शतक बनाया। वो 197 गेंदों में 205 रन बनाकर रन आउट हुईं। यह उनके करियर की पहली शतकीय पारी रही। वहीं, स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की पारी खेली।

सहवाग की तरह ही शेफाली ने 194 पर पूरी की डबल सेंचुरी

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम से जानी जाने वाले शेफाली ने दोहरा शतक भी सहवाग के ही अंदाज में बनाया।

शेफाली ने 194 रन पर 200 का आंकड़ा छू लिया था। रोचक बात यह है कि 2008 में जब सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन बनाए थे तो उन्होंने भी इसी मैदान पर 194 बॉल में ही डबल सेंचुरी पूरी कर ली थी। हालांकि, शेफाली अगली तीन गेंदों पर 5 रन बनाकर रन आउट हो गईं।

मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

पहले दिन बना लिए थे 525 रन, हरमनप्रीत, ऋचा और जेमिमा ने भी बनाई फिफ्टी

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन शेफाली 205, स्मृति मंधाना 149, जेमिमा रॉड्रिग्स 55 और शुभा सथीष 15 रन बनाकर आउट हो चुकी थीं। दिन का खेल खत्म होने तक ऋचा घोष 43 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 42 रन पर नाबाद क्रीज पर थीं। स्टंप्स तक टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 525 रन बना लिए थे। दूसरे दिन की शुरुआत में पहला विकेट 112.4 ओवर में हरमनप्रीत (69) के रूप में गिरा। उसके बाद 115.1 ओवर में ऋचा घोष के 86 रन पर आउट होने के साथ ही भारत ने 6 विकेट पर 603 रन पर पारी घोषित कर दी।

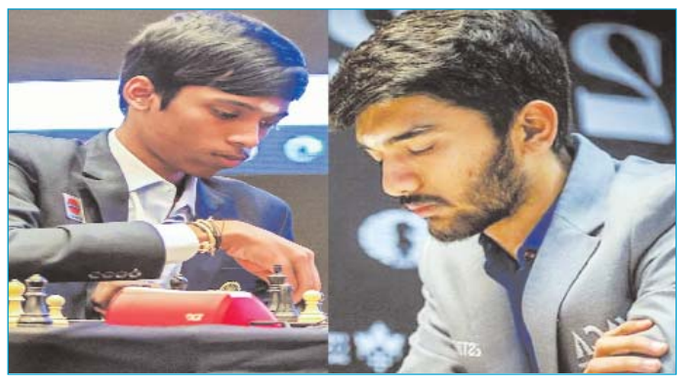

प्रज्ञानानंदा ने Superbet Classic Tournament के तीसरे दौर में गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गये। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारूआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे। इससे वाचियर लाग्रेव, प्रज्ञानानंदा, अलीरेजा, वेस्ले सो, अनीष गिरी और इयान नपोमनियाच्ची 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। गिरी और नेपोमनियाच्ची के बीच बाजी ड्रा रही।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल कराने के लिए IOA का किया समर्थन

नई दिल्ली ● एजेंसी

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मांडविया ने एक बयान में कहा ,'' योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिये।'' उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के लिये काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

जसप्रीत बुमराह ने की रोहित शर्मा की तारीफ, कहा- उनका प्रदर्शन बहुत शानदार रहा है

ब्रिजटाउन ● एजेंसी

स्टार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि 37 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में रोहित शर्मा इस समय टूर्नामेंट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने सात मैचों में 155.97 की स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। आईसीसी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए गए एक वीडियो में बुमराह ने कहा कि पिछले वनडे विश्व कप 2023 में रोहित काफी सक्रिय थे। बुमराह ने खुलासा किया कि भारतीय कप्तान ने अपने खिलाड़ियों को काफी स्वतंत्रता दी। बुमराह ने कहा, रोहित शर्मा का प्रदर्शन बिल्कुल

शानदार रहा है। पिछले विश्व कप में भी, आप जानते हैं कि वह सक्रिय रहे हैं, वह अपने खिलाड़ियों को बहुत स्वतंत्रता देते हैं, वह खिलाड़ियों को खुद को अभिव्यक्त करने देते हैं। जब उन्हें सही समय लगता है, तो वह मैच के दौरान अपना अनुभव साझा करते हैं। इसलिए यह वास्तव में बहुत अच्छा लगता है और मैं उनके नेतृत्व में खेलकर बहुत खुश हूं और समूह का आत्मविश्वास भी बहुत ऊंचा है। इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि वह भारतीय कप्तान को उनकी बल्लेबाजी और नेतृत्व गुणों के लिए बहुत लंबे समय से पसंद करते हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि रोहित शर्मा मखमली दस्ताने में लोहे की मुट्ठी की तरह हैं। नासिर ने कहा, %मैं रोहित का बहुत लंबे समय से प्रशंसक रहा हूं, एक बल्लेबाज के रूप में, एक कप्तान के रूप में और एक व्यक्ति के रूप में। उनका प्रभाव बहुत शांत करने वाला लगता है। जबकि आपके पास अन्य कप्तान थे, शायद विराट की तरह, जो अपनी आस्तीन पर अपना दिल रखते थे और वे अविश्वसनीय रूप से भावुक थे। रोहित मखमली दस्ताने में लोहे की मुट्ठी की तरह है। आप रोहित के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते, लेकिन वह एक बड़ा भाई भी है जो आपका हाथ थामकर आपकी देखभाल करेगा। टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने टूर्नामेंट में जिन भी टीमों का सामना किया है।

ओलंपिक जाने वाली रिले धाविका किरण पहल ने स्वर्ण जीता, 50.92 सेकंड का समय निकाला

ओलंपिक जा रही हरियाणा की किरण पहल ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में 50 . 92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीत लिया। किरण ने 50.95 सेकंड का ओलंपिक क्वालिफाइंग मार्क दूसरी बार पार किया। हरियाणा की दीपांशी ने रजत और आंध्र प्रदेश की ज्योतिका श्री दंडा ने कांस्य पदक जीता। ज्योतिका भी पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की सदस्य है। मध्यम दूरी के धावक परवाज खान ने 1500 मीटर में तीन मिनट 42.95 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर में 10.32 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ओडिशा के अनिमेष कुजुर को रजत और असम के अमलान बोरगोहेन को कांस्य पदक मिला। महिला वर्ग में कर्नाटक की एस एस स्नेहा विजयी रहीं। महिलाओं के 1500 मीटर वर्ग में के एम दीक्षा तीसरे स्थान पर रही, जबकि पश्चिम बंगाल की लिली दास ने जीत दर्ज की।

सुमित नागल को विंबलडन में मिला कड़ा ड्रॉ, पहले दौर में इस खिलाड़ी से होगा सामना

मुंबई ● एजेंसी

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है। नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं। नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके नागल 2018 में पुरुष सिंगल्स के पहले दौर के क्वालिफायर में पोलैंड के

कामिल एम से हार गए थे। नागल ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करके पहले दौर में 31वीं वरीयता प्राप्त कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को मात दी थी। उन्होंने चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीतकर रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई। पुरुष डबल्स में भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन का सामना फ्रांस के एड्रियन मानारिनो और जियोवान्नि एम पेरिकार्ड से होगा। बोपन्ना और एबडेन पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

व्यापार

▫ जियो-एयरटेल के बाद VI के रिचार्ज भी 20% तक महंगे

179 रूपए का प्लान अब 199 रूपए में मिलेगा, नई दरें 4 जुलाई से लागू होंगी

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के दो सबसे बड़े टेलिकॉम ऑपरेटर्स रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के बाद वोडाफोन-आइडिया (VI) ने भी शुक्रवार 28 जून को मोबाइल टैरिफ में करीब 20% तक बढ़ोतरी की घोषणा की। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। VI का अब 179 रुपए वाला सबसे सस्ता प्लान 199 रुपए में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और 2त्नक्चडेटा मिलता है। वहीं, 269 रुपए वाला प्लान 299 रुपए में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी के साथ

अनलिमिटेड कॉलिंग और 2GB डेटा रोजाना मिलता है। नई दरें 4 जुलाई से लागू होंगी। वहीं, जियो ने कल यानी 27 जून और एयरटेल 28 जून की सुबह की नई दरों वाले प्लान्स का ऐलान किया था। इन दोनों कंपनियों के अपडेटेड प्लान्स 3 जुलाई से लागू होंगे।

जून 2024 में गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट समेत इन कंपनियों ने की छंटनी

नई दिल्ली ● एजेंसी

कई बड़ी बड़ी कंपनियों में इन दिनों छंटनी का दौर जारी है। विभिन्न क्षेत्रों में छंटनी का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। इन दिनों कंपनियां आर्थिक अनिश्चितताओं, उपभोक्ता मांगों में बदलाव तथा मौजूदा वैश्विक स्थिति के कारण बढ़ी परिचालन चुनौतियों से जूझ रही हैं। इस स्थिति के बीच कई कम्पनियों ने इस महीने कर्मचारियों की संख्या में भारी कटौती की है, जिसके कारण छंटनी का दौर जारी है, जिससे बड़ी संख्या में कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं। जून 2024 में, व्यापक छंटनी से दुनिया भर में हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे, जिनमें गूगल और मेटा जैसी दिग्गज तकनीकी कंपनियों से लेकर विभिन्न अन्य क्षेत्रों की कंपनियां शामिल होंगी।

माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी

माइक्रोसॉफ्ट ने लगभग 1,500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जिससे होलोलेंस 2 के लिए जिम्मेदार मिश्रित वास्तविकता टीम जैसे विभागों पर काफी प्रभाव पड़ा है। यह कदम पहले की छंटनी के दौर के बाद आया है जिसमें माइक्रोसॉफ्ट ने 10,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, जो कंपनी के भीतर निरंतर पुनर्गठन प्रयासों को उजागर करता

है। ऑपरेटरों और मिशन इंजीनियरिंग टीमों के लिए 5ह्वह्द्ध में भी काफी कटौती की गई, जिससे सैकड़ों कर्मचारी प्रभावित हुए।

गूगल में छंटनी

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने कथित तौर पर गूगल के क्लाउड डिवीजन की विभिन्न टीमों से अपने कर्मचारियों को निकाल दिया है, जो कि इसके सबसे तेजी से विस्तार करने वाले क्षेत्रों में से एक है। पिछले सप्ताह, सीएनबीसी द्वारा समीक्षा किये गए आंतरिक संचार से पता चला कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों को क्लाउड व्यवसाय से संबंधित इन कटौतियों के बारे में सूचित किया था। बिक्री, परामर्श, ÷बाजार में उतरने÷ की रणनीति, संचालन और इंजीनियरिंग के पद छंटनी से प्रभावित हुए हैं। मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, हाल ही में हुई इन नौकरियों में कटौती से कम से कम 100 पद प्रभावित हुए हैं।

ओला इलेक्ट्रिक में छंटनी

ओला इलेक्ट्रिक ने कथित तौर पर विभिन्न डिवीजनों में लगभग 400 से 500 कर्मचारियों की कटौती की है। कंपनी के इस निर्णय का उद्देश्य नियोजित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले परिचालन लागत को कम करना है। रिपोर्टों से पता चलता है कि हालांकि कुछ प्रभावित कर्मचारियों के स्थान पर काफी कम लागत पर नए कर्मचारियों को रखा जा सकता है, लेकिन कुल मिलाकर कार्यबल में कमी आने की आशंका है।

सिंपल में छंटनी

सिंपल, एक बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) स्टार्टअप, ने कथित तौर पर लगभग 30 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जबकि एक महीने से भी कम समय पहले उसने 160 व्यक्तियों की व्यापक छंटनी की थी। पिछले दौर की तरह, इस हालिया छंटनी ने भी कई विभागों के कर्मचारियों को प्रभावित किया है।

मेटा छंटनी

मेटा ने कथित तौर पर कंपनी में उपाध्यक्षों की संख्या कम कर दी है। सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने दक्षता से चिह्नित एक वर्ष को मेटा के परिचालन का एक स्थायी पहलू बताया है, जिसमें 20,000 से अधिक मेटा कर्मचारियों की महत्वपूर्ण कटौती शामिल है। प्रदर्शन और पुनर्गठन पर निरंतर ध्यान देने से विभिन्न टीमों में धीरे-धीरे छंटनी हो रही है, जिसका असर अधिकारियों पर पड़ रहा है।

यस बैंक

यस बैंक ने कथित तौर पर पुनर्गठन प्रक्रिया शुरू की है, जिसके कारण लगभग 500 कर्मचारियों की छंटनी हुई है, तथा आने वाले महीनों में और भी छंटनी की संभावना है। हाल ही में हुई नौकरियों में कटौती से यस बैंक के कई विभागों पर असर पड़ा है, विशेष रूप से इसके थोक और खुदरा परिचालन पर, जबकि शाखा बैंकिंग खंड पर भी विशेष प्रभाव पड़ा है।

देश में EV से 4 गुना ज्यादा बिक रहीं हाइब्रिड-कारें: बीते साल हाइब्रिड की सेल्स ग्रोथ 30% रही, ये इलेक्ट्रिक व्हीकल से दोगुना महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। देश में लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड व्हीकल ने EV की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 हर महीने के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही। प्योर इलेक्ट्रिक कारें 8 लाख रुपए से शुरू होती हैं।

वहीं, हाइब्रिड कारों की कीमत 17 लाख से शुरू है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, फरवरी में अमेरिका में भी EV बिक्री की तुलना में हाइब्रिड की बिक्री पांच गुना तेजी से बढ़ी है।

ईवी की जगह हाइब्रिड कारों को क्यों पसंद कर रहे हैं भारतीय?

बेहतर माइलेज : हाइब्रिड कारें बेहतर माइलेज देती हैं। इनसे लॉन्ग रूट पर 25-30 किमी प्रति लीटर माइलेज मिलता है।

कम रनिंग कॉस्ट : ऑटोमोबाइल

एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाइब्रिड कारों की रनिंग कॉस्ट लंबी अवधि में ईवी से कम होती है।

चार्जिंग इन्फ्रा की चिंता नहीं : ईवी के लिए चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी बड़ी समस्या है। हाइब्रिड कारें फ्यूल और बैटरी दोनों से चल सकती है।

रेंज एंग्जाइटी नहीं : ईवी में रेंज एंग्जाइटी यानी कम चार्जिंग में लंबी दूरी तय करने को लेकर चिंता भी बरकरार है। हाइब्रिड कारें इस चिंता से निजात दिलाती हैं। बैटरी चार्ज नहीं होने की स्थिति में पेट्रोल से चला सकते हैं।

कार्बन उत्सर्जन में कमी : एक्सपर्ट के मुताबिक हाइब्रिड कारें कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मददगार हैं। देश को महंगे कच्चे तेल के आयात में कटौती करने में मदद मिलती है।

हाइब्रिड कार फ्यूल और बैटरी दोनों से चलती है

हाइब्रिड व्हीकल में पेट्रोल या डीजल जैसे इंटरनल कंबशन इंजन (आइस) के साथ ही इलेक्ट्रिक बैटरी भी होती है, जो कार की रेंज और फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने में मददगार है। दुनिया में पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों के अलावा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है।

ऑटो कंपनियां भी हाइब्रिड पर कर रहीं फोकस

ऑटो कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटो मोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हाइब्रिड कारों की बिक्री पिछले साल 30% से ज्यादा बढ़ी है।

यही वजह है कि मारुति सुजुकी, टोयोटा जैसे जापानी वाहन निर्माता EV के बजाय हाइब्रिड पर जोर दे रहे हैं। हुंडई भी 2026 तक भारत में अपनी पहली हाइब्रिड कार लॉन्च करने की योजना बना रही है।

कोयला आयात वृद्धि दर पिछले दशक में घटकर 2.5 प्रतिशत से नीचे आई

नयी दिल्ली। भारत ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। इसका पता इस बात से चलता है कि कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 21.48 प्रतिशत रही। हालांकि, 2014-15 से 2023-24 तक कोयला आयात की सीएजीआर केवल 2.49 प्रतिशत रही है। बयान के अनुसार, ÷इसके अलावा, वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान आयातित कोयले की हिस्सेदारी का सीएजीआर 13.94 प्रतिशत था। जबकि, पिछले दशक के दौरान यह आंकड़ा गिरकर शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया।÷ मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला संसाधनों के अनुकूलन और नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए देश ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है। बयान के अनुसार, विश्व में पांचवें सबसे बड़े कोयला भंडार से संपन्न भारत इस ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

Bangladesh में लॉन्च हुआ ज्वैलरी ब्रांड Tanishq, इस ग्रुप से मिलाया हाथ

नई दिल्ली ● एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार योजनाओं पर काम कर रही है। इसी दिशा में काम करते हुए अब कंपनी ने बांग्लादेश में अपना आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश कर रही है। बयान के अनुसार, शुक्रवार को टाटा समूह द्वारा प्रबंधित कंपनी तनिष्क ने रिदम ग्रुप के साथ इस संबंध में एक संयुक्त उद्यम समझौता किया। अब दोनों कंपनियां एक जॉइंट वेंचर में मिलकर काम करेंगी। इसके तहत तनिष्क को बांग्लादेश के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार, संयुक्त उद्यम की शुरुआत बांग्लादेश के नारायणगंज में विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के साथ होगी। घरेलू बाजार के अलावा, टाइटन अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तनिष्क की उपस्थिति का विस्तार कर रही है और संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कतर, सिंगापुर और ओमान में 17 स्टोर संचालित करती है। इसका घड़ी कारोबार दक्षेस, एमईएनए (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका), दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में मौजूद है। पिछले कुछ साल में, इसने अपने प्रमुख आभूषण ब्रांड तनिष्क को विदेशों में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। रिदम ग्रुप बांग्लादेश की एक प्रमुख कंपनी है जिसकी स्थापना 1972 में देसी वस्त्र निर्माण के लिए की गई थी और तब से इसने कई क्षेत्रों में विस्तार किया है।

दिमनी पुलिस ने अवैध रेत से भरी ट्रेक्टर-ट्रॉली पकड़ी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में रेत का अवैध रूप से परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिला मुरैना के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों को चंबल नदी के अवैध रेत परिवहन / उत्खनन/भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जिला मैना विजय भदौरिया के मार्गदर्शन में दिनांक 29.06.24 को निरीक्षक कुलदीप सिंह राजपूत थाना प्रभारी दिमनी को जरिये मुखबिर सूचना

मिली कि ग्राम रपट का पुरा ग्राम दिमनी की तरफ स ट्रेक्टर-ट्रॉली के माध्यम से चंबल नदी के रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। मुखबिर की उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी दिमनी द्वारा मय हमराह फोर्स के मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचकर चैकिंग लगाई गई। दौराने चैकिंग एक बिना नम्बर का नीले रंग का स्वराज 735 ट्रेक्टर आता हुआ दिखाई दिया, जिसका चालक पुलिस को देखकर ट्रेक्टर-ट्रॉली का रास्ते में ही छोड़कर भाग गया। तदोपरांत पुलिस बल द्वारा उक्त ट्रेक्टर/ट्रॉली को चैक किया गया तो उसकी ट्रॉली में चंबल नदी का अवैध रेत भरा हुआ पाया गया। आरोपी का उक्त कृत्य धारा 379,414 ताहि 4/21 खान एवं खनिज संरक्षण अधिनियम, 18 (1) मध्यप्रदेश खनिज एवं परिवहन भण्डारण अधिनियम के तहत दण्डनीय होने से मौके पर से उक्त ट्रेक्टर- ट्रॉली को विधिवत जप्त किया गया। थाना वापसी पर जप्तशुदा ट्रेक्टर व ट्रॉली को सुरक्षार्थ थाना परिसर में रखवाया गया एवं मौके से फरार अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 379,414 ताहि 4/21 खान एवं खनिज संरक्षण अधिनियम, 18 (1) मध्य प्रदेश खनिज एवं परिवहन भण्डारण अधिनियम के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

''लोक-पथ'' एप सड़क सूचना एवं प्रबन्धन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी: मंत्री सिंह

भोपाल। लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज मंत्रालय में विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ सड़क सूचना एवं प्रबन्धन प्रणाली के सशक्तिकरण हेतु बनाई जा रही ÷लोक-पथ÷ एप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई और नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक में लोक निर्माण मंत्री सिंह ने ÷लोकपथ÷ ऐप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) निर्माण की वर्तमान प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं ऐप को शीघ्र ही कार्यान्वित करने के निर्देश दिये।

मंत्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस एप के सफल कार्यान्वयन के लिए पूर्ण समर्पण और तत्परता से कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से न केवल सड़कों की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी विभाग पर और अधिक बढ़ेगा।

पदनाम की सुस्त चाल, सहायक शिक्षकों की क्रमोन्नति व समयमान में देरी से बढ़ रहा आक्रोश

शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नही होने पर मप्र शिक्षक संघ ने बनाई आंदोलन की रणनीति

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश आज तक नहीं हुए है। सहायक शिक्षक, शिक्षकों, व्याख्याताओं को समयमान देने का मामला आज भी ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। 35-40 साल की सेवा के मिल रहा उच्च पदनाम देने प्रारंभ हुई पदनाम की प्रक्रिया अपनी सुस्त चाल के कारण फिर सवालों के घेरे में है। इसे जल्द पूरा किया जाए जिससे इसका लाभ शिक्षकों को मिल सके। 12 व 24 वर्ष पर क्रमोन्नति के आदेश शासन स्तर पर कई महीने पहले हो चुके पर धरातल पर स्थिति गंभीर बनी हुई है। हजारों शिक्षक क्रमोन्नति की बाट जोह रहे हैं। यह बात मप्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ नरेश सिंह सिकरवार ने कही। संभागीय अध्यक्ष सिकरवार मप्र शिक्षक संघ की संभागीय बैठक में शिक्षकों की लंबित समस्याओं एवं मांगो को लेकर बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। शासकीय माध्यमिक विद्यालय रुई की मंडी में संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में बैठक

का आयोजन हुआ। बैठक में डॉ. सिकरवार ने कहा कि सहायक शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति नही मिली है। जिसके लिए मप्र शिक्षक संघ लगातार प्रयास कर रहा है। 35 साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को समयमान वेतनमान दिया जाना चाहिए। शिक्षकों को उनके जायज अधिकार से वंचित करना अन्याय है। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति प्रक्रिया का सरलीकरण करना जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया है कि आश्रित परिवार को इस पूरी प्रक्रिया में लंबा इंतजार करना पड़ता है। जिसके कारण जिस उद्देश्य से अनुकंपा नियुक्ति होती है वह उद्देश्य कही न कही प्रभावित होता है। लंबत 4 प्रतिशत डीए भुगतान, पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी की गई हैं। संगठन के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रघुराज परमार ने कहा कि सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश नियमित दर्ज किया जाना चाहिए। जिससे सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षक के लिए असहज स्थिति न बने, उसे अपने स्वत्वों के भुगतान के लिए भटकना न पड़े। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने लंबित मांगो एवं शिक्षक समस्याओं के निराकरण में देरी पर असंतोष जताया। इन मांग सभी समस्याओं के निराकरण की मांग जोरदार तरीके से की गई है। समयसीमा में निराकरण नही होने पर आंदोलन करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार, विमलेश यादव, रघुराज सिंह परमार, रामवतार सिंह चंबल, रामबरन सिंह पायथा, डॉ.हरेन्द्र तोमर, सतंजय मिश्रा, धर्म सिंह पोरसा, बिहारी सिंह, जगेंद्र जादौन, भोलाराम शर्मा, पंकज शर्मा, कुलदीप कुलश्रेष्ठ, जगदीश शर्मा, राकेश शर्मा, रूप सिंह सिकरवार, तिलक सिंह, जगमोहन सेमिल, मगल सिंह मौर्य आदि मौजूद रहे।

प्राचीन पार्क में पंडित नेहरू की प्रतिमा का स्थल परिवर्तन करने का विधायक ने किया विरोध

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अम्बाह विधायक देवेंद्र सखवार ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी साबिर कौशर से चर्चा कर अम्बाह में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के नाम से बने पार्क में पंडित नेहरू की प्रतिमा अन्य जगह स्थापित करने की बात का विरोध किया है। पार्क का निरीक्षण कर विधायक सखवार ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि नगर पालिका के सूत्रों से उन्हें पता चला है कि भारतीय जनता पार्टी की बहुमत वाली नगर पालिका द्वारा नेहरू पार्क में पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा को स्थापित जगह से हटकर पार्क में ही दूसरी जगह कोने में स्थापित करने का विचार किया जा रहा है। देवेंद्र सखवार ने कहा कि अगर ऐसा किया जाता है तो वह इस कार्य का विरोध करेंगे। विधायक श्री सखवार का कहना था कि यह मूर्ति काफी लंबे समय से इस पार्क में स्थापित है और संपूर्ण शहर वासियों के लिए यह आस्था का स्थल है। बाहर से आने वाले लोग भी इस पार्क में

पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए आते हैं। ऐसी स्थिति में अगर मूर्ति को पार्क में दूसरी जगह स्थापित किया गया तो हजारों लोगों की भावनाएं आहत होंगी। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि पार्क का वर्तमान जो स्वरूप है उसे ही बनाए रखा जाए, अगर कोई भी छेड़छाड़ होती है तो कांग्रेस पार्टी और वह उसका विरोध करेंगे विधायक ने नगर पालिका पर प्रतिमा स्थल परिवर्तन के बहाने भाजपा पंडित नेहरू और कांग्रेस की विचारधारा को खत्म करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा पर महापुरुषों का अपमान करने का आरोप जड़ा। उन्होंने कहा कि जनसंघी विचारधारा थोपने की साजिश के तहत ऐसा किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि अभी मूर्ति सड़क से गुजरने वाले लोगों को दिखती है कोने में मूर्ति पहुंचने पर यह मूर्ति लोगों को नहीं दिखेगी, जिससे पार्क का स्वरूप ही नष्ट हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका में लगभग एक वर्ष से कोई मीटिंग आयोजित नहीं की गई है। मनमाने तरीके से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिनका कोई लेखा-जोखा नहीं है। विधायक ने कहा कि बिना परिषद की स्वीकृति के कार्य कर भाजपा शासित बोर्ड अपनी तानाशाही का प्रदर्शन कर रहा है, जिसका वह पुरजोर विरोध करेंगे, वहीं नेहरू पार्क में कांग्रेसियों ने विधायक के साथ मूर्ति के सामने खड़े होकर स्थान परिवर्तन का विरोध किया और नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की।

गौ-माता की सेवा से पूर्वजों की सेवा होती हैः श्रीमती गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को गोविंदपुरा में कोकता बायपास स्थित गौ-शाला में गौ-माता का पूजन किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने हम सब कृत-संकल्पित हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 को गौ-वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और गौ-शाला में आने वाली नई गायों का स्वागत किया जाएगा। गौ-माता के प्रति जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गौ-माता की सेवा करने से घर में लक्ष्मी का वास होता है एवं सुख शांति बनी रहती है।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा का स्थापना दिवस समारोह व परिचय सम्मेलन 3 व 4 अगस्त को भोपाल में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा द्वारा 03 व 04 अगस्त को एलएनसीटी विश्वविद्यालय, जेके अस्पताल परिसर कोलार रोड, भोपाल में संगठन का स्थापना दिवस समारोह व परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्ताश्य की जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे ने बताया कि 03 अगस्त को उद्घाटन सत्र, अतिथि परिचय व विचार गोष्ठी का आयोजन होगा। दूसरे दिन 04 अगस्त को महासभा की

कार्यसमिति की घोषणा एवं शपथ ग्रहण समारोह तथा युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि युवक-युवती परिचय समेलन के लिए विवरण 25 जुलाई तक स्वीकार किए जायेंगे। भोपाल से बाहर आने वाले अतिथिगण अपनी स्वीकृति 31 जुलाई तक मोबाइल नंबर 9 4 2 5 0 1 4 4 6 0, 9 8 2 6 0 6 5 2 3 7, 9 4 2 5 0 1 1 7 7 4, 7999728466, 9303134-255, 9827053683 आवश्यक रुप से यात्रा विवरण सहित भेजे। उक्त जानकारी सुधाकर राऊत कलार समाज भोपाल ने दी।

आमपुरा स्थित बजरंग मंदिर की दानपेटी से नकदी चोरी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर के आमपुरा में मुख्य रास्ते पर स्थित बजरंग मंदिर की दानपेटी से शुक्रवार-शनिवार की रात को अज्ञात बदमाश नकद राशि चुराकर ले गए। बदमाशों ने हनुमान जी की प्रतिमा से चोले को उतारा और मंदिर के अंदर लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों को भी जमीन पर फेंक दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक आमपुरा की मेन रोड पर स्थित मंदिर के पुजारी शुक्रवार की रात को मंदिर को ताला लगाकर अपने घर चले गए थे। शनिवार की सुबह पुजारी जब मंदिर पहुंचा तो मंदिर की दानपेटी खुली पड़ी मिली, उसमें रखी दान की नकदी राशि गायब थी, यही नहीं हनुमान जी की प्रतिमा पर चढ़ाया जाने वाला चोला भी प्रतिमा से नदारद था, देवी-देवताओं की तस्वीरों के साथ हवन-पूजन की सामग्री जमीन पर बिखरी हुई पड़ी थी। पुजारी ने चोरी की वारदात की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना भी किया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था। मंदिर में हुई चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। जिसके आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' पर गौरव दुबे, गौरव मोरे और हेमांगी कवि ने एक मज़ेदार 'फिरंगी की धड़कन' एक्ट प्रस्तुत किया!

इस रविवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' की डायनेमिक तिकड़ी - गौरव दुबे, गौरव मोरे और हेमांगी कवि, हंसी से भरपूर 'फिरंगी की धड़कन' एक्ट के लिए टीम बनाएंगे। गौरव मोरे आकर्षक देव की भूमिका में चमकेंगे, गौरव दुबे 'अंग्रेज़ी बाप' के रूप में हंसाएंगे और हेमांगी कवि सोफिस्टिकेटेड एंजेलिना की भूमिका में हैं। यह कहानी तब और भी गहरी हो जाती है जब देव एंजेलिना को प्रपोज़ करने के लिए लंदन जाता है, लेकिन उसके पिता, अंग्रेज़ी बाप, उनकी शादी के सख्त खिलाफ हैं। एक हास्यास्पद ट्विस्ट में, अंग्रेज़ी बाप देव को एंजेलिना से शादी करने के लिए पैसे कमाने की चुनौती देता है और उसे एक खाली बैग देता है। हालांकि, बाद में उसे एहसास होता है कि उसने गलती से देव को नकदी से भरा बैग

दे दिया है!

इस परफ़ॉर्मेंस पर प्रकाश डालते हुए, गौरव दुबे कहते हैं, 'हमारे आगामी गैग के लिए 'अंग्रेज़ बाप' की भूमिका निभाते हुए मुझे बहुत मज़ा आया क्योंकि इससे मैं इस मज़ेदार भूमिका में अपनी खुद की स्टाइल और विचित्रता जोड़ सका। इस एक्ट के लिए गौरव मोरे और हेमांगी कवि के साथ टीम बनाना सोने पर सुहागा था। हमने सेट पर बहुत अच्छा समय बिताया, और हमारे बीच की केमिस्ट्री और तालमेल पूरे गैग में दिखाई दिया। मैं इस परफ़ॉर्मेंस में हमने जो मस्ती और फन को शामिल किया है, मैं उसे हर किसी को दिखाने की प्रतीक्षा नहीं कर सकता!'

दर्शक 'मैडनेस की मालकिन' हुमा कुरेशी को कॉमेडियन्स के बेहद हास्यपूर्ण परफ़ॉर्मेंस के बाद उनके साथ एक आकर्षक 'ट्रुथ एंड डेयर' गेम खेलते हुए भी देखेंगे।

'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' देखना न भूलें, इस रविवार रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

अपने बच्चों के साथ कक्षा में बैठ, शिक्षण व्यवस्था जांच सकेंगे माता-पिता

शिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता के लिए शिक्षाविद् सुधीर आचार्य का नवाचार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। स्कूल के शिक्षण व्यवस्था की गुणवत्ता जांचने -परखने और पारदर्शी बनाने की दिशा में अंचल के समाजसेवी और शिक्षाविद् सुधीर आचार्य ने नवाचार करते हुए विद्यार्थियों के साथ, माता-पिता को कक्षा में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इससे अब माता-पिता अपने बच्चों के साथ उनके कक्ष में बैठकर शिक्षक के पठन-पाठन कौशल और स्कूल के शिक्षण व्यवस्था को प्रत्यक्ष रूप से देखा और परख सकेंगे। यहां उल्लेखनीय है कि

शिक्षा के क्षेत्र में डॉक्टर सुधीर आचार्य द्वारा पूर्व में भी 'टीचर लैस एग्जाम' और एग्जाम विद लंच जैसे नवाचार किए जा चुके हैं, जो प्रदेश स्तर पर सराहना पा चुके हैं। इस नये नवाचार के बारे में बताते हुए सुधीर आचार्य ने कहा कि माह में एक बार बच्चों के माता-पिता को, कक्षा में जाने और कक्षा में बैठकर ,शिक्षक के शिक्षण कौशल एवं शिक्षण पद्धति एवं व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहकर जानने का अवसर मिलेगा। इसके लिए माता-पिता को अपने बच्चों की कक्षा और विषयवार निःशुल्क पंजीयन स्कूल में कराना होगा, पंजीयन उपरांत उसे कक्षा और विषय वार लगने वाले पीरियड की सूचना दी जाएगी, जिससे वह सही समय आकर कक्षा में बैठ सकें। यह प्रयोग ब्राइट कैरियर एकेडमी अम्बाह में एक जुलाई से प्रारंभ किया जा रहा है।

लेखा परीक्षा का आयोजन होगा

भोपाल। नितिन पहाड़िया पार्टनर लढ़ा जीडी एंड कंपनी ने बताया कि हमें Cheif Commissioner office इनकम टैक्स भोपाल द्वारा 30.06.2027 तक स्पेशल ऑडिटर नियुक्त किया गया। खोज और सर्वेक्षण मूल्यांकन अधिकारी पैनल फर्म के विशेष लेखा परीक्षक को बुलाया जाता है, जैसे सोने के गहने के मूल्यांकन के लिए स्मिट वैल्यूअर को, संपत्ति के मूल्यांकन के लिए सूचीबद्ध संपत्ति मूल्यांकनकर्ता को ऐसी स्थिति में जहां मूल्यांकन अधिकारी की राय है कि खातों की मात्रा, प्रकृति और जटिलता के कारण, खातों की शुद्धता के बारे में संदेह है , निर्धारिती की व्यावसायिक गतिविधि आदि की विशिष्ट प्रकृति और राजस्व के हित में, निर्धारिती के खातों का ऑडिट आवश्यक है। प्रधान मुख्य आयुक्त या मुख्य आयुक्त या प्रधान आयुक्त या आयुक्त द्वारा इस संबंध में नामित किया गया है और इस तरह के लेखाकार द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित और सत्यापित निर्धारित प्रपत्र में इस तरह की लेखापरीक्षा की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। विशेष लेखापरीक्षा इस प्रकार नामित चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा आयोजित की जाएगी।

विकसित रीवा के साथ ग्रीन, क्लीन व हेल्दी रीवा बनाने में सहभागी बनें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि आज एक पुनीत कार्य की शुरूआत हो रही है। पौधों से धरती का श्रृंगार होता है तथा यह आने वाली पीढ़ी के लिए उपयोगी होंगे। उन्होंने विकसित रीवा के साथ ग्रीन, क्लीन व हेल्दी रीवा बनाने में सभी के सहयोग की अपील की। शुक्ल ने लक्ष्मणबाग परिसर में आम का पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान एवं प्लांट एडाप्शन कैंपन का शुभारंभ किया। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में भागीदारी निभाएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। रीवा शहर में जो पूर्व में पौधे लगाए गए थे उसके कारण काफी क्षेत्र हरा-भरा हो गया है। अब सड़कों के किनारे तथा खाली भूमि में पौधारोपण कर रीवा को हरीतिमा युक्त बनाना है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में 25 हजार पौधे लगाएं। पौधारोपण करने में सामाजिक संगठनों की भी सहभागिता हो। शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ यादव के ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में सभी भागीदारी निभाएं तथा अपने परिजनों की स्मृति में पौधे लगाकर उनकी देखभाल करें।

लक्ष्मणबाग गौशाला में किया गौपूजनः- उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने लक्ष्मणबाग परिसर रीवा में स्थित संकट मोचन हनुमान जी के दर्शन कर उनकी पूजा-अर्चना की। उन्होंने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौपूजन कर चारा खिलाया तथा गौसेवा की। उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा रीवा शहर में सघन पौधारोपण किया जा रहा है। लक्ष्मणबाग परिसर में साढ़े तीन हजार फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। ÷प्लांट एडाप्शन कैंपेन÷ के तहत आमजन क्यूआरकोड तथा टैग्स की पौधे के साथ फोटो खींचकर प्रमाण पत्र जनरेट कर सकते हैं।

चंबल संभाग में खरीफ फसल के रकबे को बढ़ाया जाएः श्रीवास्तव

अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश के विद्युत एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं चम्बल संभाग के प्रभारी अपर सचिव मनु श्रीवास्तव की अध्यक्षता में चंबल संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेटसभाकक्ष मुरैना में शनिवार आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मुरैना-श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष मुरैना श्रीमती आरती गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्योपुर श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी अम्बाह विधायक श्री देवेन्द्र सखवार, भिण्ड विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, गोहद विधायक केशव देशायी, चम्बल कमिश्नर संजीव कुमार झा, आईजी सुशांत सक्सेना, डीआईजी कुमार सौरभ, प्रभारी कलेक्टर मुरैना डॉ. इच्छित गढ़पाले, भिण्ड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव, श्योपुर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक भिण्ड असित यादव, पुलिस अधीक्षक श्योपुर अभिषेक आनंद सहित संभाग एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा कि चंबल संभाग के जिले में खरीफ फसल के दौरान कम बुवाई हो रही है, जबकि यह देखने में आता है कि पूरे प्रदेश में खरीफ फसल के दौरान सर्वाधिक फसल ली जाती है।इस व्यवस्था को सुधारने के लिए किसानों के साथ संगोष्ठियां की जाए और ऐसी फसलों का चुनाव किया जाए जो अक्टूबर माह तक कटकर तैयार हो जाए। जिससे सरसों की फसलकी बुवाई हो सके, इसके साथ मोटे अनाज दलहन, तिल, कोदो, कुटकी आदि की भी बुवाई के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए।

संभाग आयुक्त संजीव झा के निर्देश पर कृषि और उद्यानिकी के अधिकारियों ने बताया कि संभाग में 1 लाख 34 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में चावल की बोनी हो रही है। इस वर्ष के सुनिश्चित किया जा रहा है कि लगभग 16 प्रतिशत भाग में मोटे अनाज मक्का अन्य दलहन की बुआई की जाये।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर भिंड ने बताया कि भिंड जिले में अटेर, भिंड और मेहगांव तहसीलों में खरीफ की फसल की कम बुआई होती है। इसके लिए ज्वार, मक्का, कोदो, कुटकी आदि फसलों की बुवाई के लिए भी किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए जिला स्तरीय संगोष्ठी के साथ-साथ जनपद और पंचायत स्तर पर भी संगोष्ठी करने के लिए कार्य योजना बनाई गई है।

बैठक में सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने भी मुरैना की समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित कलेक्टर को दिए गए।

बैठक में मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मुरैना संभाग में बीहड़ बहुत अधिक जगहों पर है और यहां पर सोलर ऊर्जा से विद्युत उत्पन्न की जा सकती है। इसके लिए भिंड कलेक्टर ने बताया की जगह को चिन्हित कर रिपोर्ट जल्दी बनाई जाएगी, जिससे सोलर प्लांट लगाने के लिए कार्य योजना तैयार की जा सके।

नल-जल योजना की समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए की योजना क्रियान्वित होने के साथ ही रेस्टोरेशन का काम समय पर पूर्ण कर लिया जाए और हर स्टेज के जीओ टेग फोटो अपलोड करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाये। शहरी क्षेत्र में अति वर्षा से निपटने के लिए नालों की सफाई के साथ-साथ पानी के निकासी के लिए भी व्यापक कार्य योजना बनाई जाए, जिससे पानी अवरुद्ध होने की समस्या का समाधान हो सके।

खाद आपूर्ति के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि यहां पर एनपीके ज्यादा से ज्यादा किसानों को उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाये, जिससे एनपीके फायदे फसलों को मिल सके।

गोहद क्षेत्र में खारे पानी की समस्या पर चर्चा करते हुए बताया गया कि यहां 40 से अधिक गांव में खारा पानी है। कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि इसके लिए जगह-जगह मीठे पानी के सोर्स ढूंढे गए हैं और कुछ गांव में पानी की सप्लाई भी की गई है।इसकी कार्य योजना बनाने के लिए प्रस्ताव जल्द भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने भिंड जिले में तीन विद्युत सर्विस स्टेशन स्वीकृत होने के बाद भी नहीं बनाए जाने की बात को रखा, जिस पर अपर मुख्य सचिव द्वारा कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव ने चर्चा के दौरान बताया कि चंबल संभाग में विद्युत व्यवस्था को सुचारु करने के लिए जरूरी है कि यहां पर विद्युत बिलों को नियमित रूप से जमा किया जाये। प्रदेश में सबसे कम विद्युत बिल जमा होने की दर भिंड, श्योपुर और चंबल के जिले में आ रही है। यहां एक यूनिट के बदले 70 पैसे तक विद्युत बिल जमा हो रहा है, जबकि प्रदेश स्तर पर है 7 रूपये यूनिट तक जमा हो रहे है। इसके लिए सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीण स्तरों पर कैंप लगाये जायें और शहरी क्षेत्र में भी उपभोक्ताओं को प्रेरित किया जाए।

संभागीय समीक्षा बैठक में विगत जनवरी में आयोजित समीक्षा बैठक के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा हुई। इसके साथ ही सोलर ऊर्जा के प्लांट सगोरिया, बेहरारा जागीर में लगाए जाने वाले प्लान के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में ऊर्जा विभाग, श्रम विभाग, उद्यान, स्कूल शिक्षा विभाग, कृषि, पीएचई के साथ अन्य विभागों की समीक्षा की गई।

बैठक में चम्बल कमिश्नर संजीव कुमार झा ने कहा कि औद्यौगिक क्षेत्र में आने वाले समय को ध्यान में रखते हुये ऐसी प्लानिंग की जाये कि लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

बैठक में श्योपुर कलेक्टर ने कहा कि कराहल में सोलर एवं खरीफ फसल में पूसा 16 अरहर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में मुरैना प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने आवास के अलावा अन्य योजनाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने सुझाव रखें, जिन पर अपर मुख्य सचिव ने विचार करने का आश्वासन दिया।

01 जुलाई से सम्पूर्ण देश में प्रभावशील होंगे 03 नवीन अपराधिक कानून

नवीन आपराधिक कानूनों-भारतीय न्याय संहिता 2023 (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (BNSS), भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (BSA) के क्रियान्वयन हेतु मुरैना पुलिस का जनसंदेश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। देशभर में पूर्व से प्रभावशील आपराधिक अधिनियम जैसेः- भारतीय दंड संहिता 1860 (IPC). दंड प्रक्रिया संहिता 1861 (CrPC) एवं इंडियन एविडेंस एक्ट 1872 (IEA) के स्थान पर नवीन आपराधिक कानून दिनांक 01 जुलाई 2024 से प्रभावशील होने जा रहे हैं, जिसमें भारतीय दंड संहिता 1860 (IPC) के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023 (BNS), दंड प्रक्रिया संहिता 1861 (CrPC) के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (BNSS) एवं इंडियन एविडेंस एक्ट 1872 (IEA) के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (BSA) दिनांक 01 जुलाई 2024 से प्रभावशील हो जायेंगे।

नवीन आपराधिक अधिनियम के लागू करने का एक कारण यह है कि पुराने आपराधिक अधिनियम दंड पर आधारित थे, जबकि नवीन अपराधिक नियम न्याय के आधार पर बनाए हैं। इसका उद्देश्य यह है कि पीड़ित को न्याय समय पर मिले। भारतीय न्याय संहिता 2023 (BNS) को देखें तो इसमें भारतीय दंड संहिता 1860 (IPC) की तुलना में कई नई धाराएं भी जोड़ी गई हैं, कुछ धाराएं निरस्त भी की गई है। कारावास की अवधि, जुर्माना भी बढ़ाया गया है। इसमें नवीन तथ्य यह भी है कि इसमें सामुदायिक सेवाएं भी जोड़ी गई हैं. महिला एवं बालक/बालकाओं से संबंधित अपराध भी जोड़े गए हैं।

मुरैना पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक नियम संबंधी जानकारी के लिए जारी किया गया जनसंदेश

दंड प्रक्रिया संहिता 1861 (CrPC) के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (BNSS) प्रभावशील की जा रही है, जिसमें अपराधों के लिए टाइमलाइन दी गई है. धाराओं को जोड़ा एवं हटाया गया है, गवाहों की सुरक्षा एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों भी समाहित किया गया है। ऑडियो, वीडियो. विजुअल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को किस तरह से प्रस्तुत करना है इस संबंध में भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है। समंस एवं वारंटों को भी नवीन रूप से परिभाषित किया गया है।

इसी प्रकार इंडियन एविडेंस एक्ट (IEA) (साक्ष्य अधिनियम) 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (BSA) बनाया गया है, नए युग में जो डिजिटलाइजेशन हो रहा है, इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस की बात हो रही है, तकनीकी प्रगति हुई है, इस संबंध में भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (BSA) में समावेश किया है। दिनांक 01 जुलाई 2024 से नवीन अपराधिक नियम के अंतर्गत तीन अधिनियम संपूर्ण देश में लागू होंगे, अपराधिक न्याय व्यवस्था सक्रिय रहेगी, पीड़ित को न्याय मिलेगा, इस हेतु मुरैना पुलिस द्वारा पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिला स्तर पर थानों, कार्यालयों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों / कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराए गए हैं जिसमें पुलिस कर्मियों को नवीन आपराधिक अधिनियमों के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है, इसके अतिरिकतं तकनीकी उपकरण जैसे सीसीटीएनएस आदि भी अपडेट किए गए हैं। नए आपराधिक अधिनियमों के क्रियान्वयन के साथ अपराधों की जांच प्रक्रिया में तेजी और पीडितों को जल्दी से जल्दी न्याय दिलाने हेतु मुरैना पुलिस पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

कोतवाली पुलिस ने पकड़ा मोटरसाईकिल चोर गिरोह, 11 मोटरसाईकिलें बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिला मुरैना में घटित चोरी के प्रकरणों में अज्ञात आरोपियों की शीघ्र पतारसी, गिरफ्तारी एवं माल-मशरूका को बरामदगी हेतु जिला मुरैना के समस्त थाना प्रभारीगण को निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक जिला मुरैना राकेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं पर्यवक्षण में निरीक्षक आलोक सिंह परिहार थाना प्रभारी कोतवाली को दिनांक 28.06.2024 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि अम्बाह बायपास रोड पर तिराहे के पास दो व्यक्ति चोरी की गई मोटर साईकिल बेचने की फिराक में खड़े हुए हैं। मुखबिर उक्त सूचना की तस्दीक हेत थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा तत्काल टीम गठित कर मुखबिर के बताये स्थान अम्बाह बायपास तिराहे के पास पहुंचकर देखा तो एक सफेद रंग की अपाचे व एक काले रंग की सीडी 110 मोटर साईकिल पर एक-एक व्यक्ति बैठा हुआ दिखा, जिनकी मोटरसाइकिलों पर कोई नम्बर प्लेट नहीं थी, जो पुलिस की गाड़ी को देखकर वहां से भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा तथा उक्त दोनों चालकों की गतिविधियां संदिग्ध व मोटरसाइकिलों पर रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट न होने से उक्त मोटरसाइकिलों के संबंध में उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि अपाचे मोटर साईकिल को हम दोनों ने अपने एक साथी के साथ मिलकर ग्वालियर से व होण्डा सीडी 110 को हम तीनों ने मिलकर मुरैना में प्रेमनगर से चोरी किया था, जिनके मौके पर समक्ष पंचान पृथक पृथक मेमोरेण्डम लिये गये तथा आरोपीगणों का उक्त कृत्य अंतर्गत धारा 411, 414 ताहि के तहत दण्डनीय होने से आरोपी के कब्जे से एक सफेद रंग की अपाचे मोटर साईकिल जिसके हेड पर लाल रंग से Divyanshi व SHITLA लिखा हुआ था, जिसका चैचिस नम्बर MD634BE व इंजन नम्बर AE8HP स्पष्ट न होकर अपूर्ण व घिसा हुआ था तथा दूसरे आरोपी के कब्जे से एक काले रंग की होण्डा सीडी 110 जिसका चैचिस न. ME4JC899 KPG019855 व इंजन नं. JC89EG3020130 होना पाया गया। उक्त गिरफ्तारशुदा दोनों आरोपीगणों से पूछताछ करने पर आरापीगण के बताये गये अनुसार पुलिस टीम द्वारा रवाना होकर ग्राम निटेहरा थाना सुमावली पहुँचकर तीसरे आरोपी की तलाश करने पर वह घर पर नहीं मिला। तदोपरांत गिरफ्तारशुदा आरोपी की निशानदेही में प्रकरण के तीसरे आरोपी निवासी ग्राम निटेहरा सुमावली के घर के पीछे बने खेत में पहुँचकर तलाश की गई तो वहां पर एक बिना नम्बर प्लेट क नोले रंग की पल्सर मोटर साइकिल जिसका चैचिस नं. MD2A11CZ9DCC05349 व इंजन नं. DHACDC92538 बिना नम्बर प्लेट के एक काले रंग की होण्डा शाईन मोटर साइकिल जिसका चचिस न. ME4JC65 AEJ7074055 व इंजन नं. JC65E72115209 रखी हुई मिली, जिन्हें विधिवत् जप्त किया गया। बाद पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के दूसरे आरोपी के ग्राम निटेहरा स्थित रहवासी मकान पर पहुँचकर देखा तो उसके घर के आँगन म एक लाल काले रंग की अपाचे मोटर साइकिल जिसका चैचिस नं. MD634CE40K2F19311 व इंजन नं. CE4FK2419000 एक नोले काले रंग की स्पेलंडर प्लस मोटर साइकिल जिसका इंजन नं. HA10EAAHB29722 एवं चैचिस नं. MBLHA10EEAHB37. स्पष्ट न होकर घिसा हुआ है। उक्त दोनों मोटर साइकिलें भी चोरी की होने पर उन्हें जप्त किया गया, तदोपरांत पुलिस टीम द्वारा आरोपीगण के बताए अनुसार ग्राम चहेला थाना नूराबाद पहुंचकर एक अन्य आरोपी निवासी ग्राम चुरहेला के घर पर दबिश दी गई तो आरोपी घर पर उपस्थित मिला जिसके कब्जे से एक काले रंग की स्पलेंडर मोटर साइकिल जिसके पिछले मडगार्ड पर लाल रंग से KANHA THAKUR लिखा है जिसका इंजन नं. HA11EDMHJ68732 व चैचिस नं. MBLHA. घिसा हुआ होकर स्पष्ट नहीं ह उक्त मोटर साइकिल को भी जप्त किया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा चोरी की गई 03 अन्य मोटर साइकिल बरामद की गई इस प्रकार पुलिस द्वारा उक्त सभी चोरी की गई 11 मोटरसाईकिल कीमती करीबन 7,50,000/- की मौके पर जप्त की गयी, बाद थाना वापसी पर आरोपीगणों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 401/24 धारा 411,414 ता.हि. का कायम कर विवेचना मे लिया गया, बरामद मोटर साईकिलों के संबध में 08 मोटर साइकिलों का विवरण निम्नानुसार है शेष मोटर साइकिलों के संबंध में जानकारी संकलित की जा रही है।

अंधे कत्ल का पर्दाफाश, जीआरपी पुलिस ने दबोचा आरोपी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मर्ग क्रमांक 9/24 धारा 174 सीआरपीसी घटना दिनांक 15.06.2024 को मृतक की मृत्यु ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी, जिसका मेमो स्टेशन मास्टर मुरैना द्वारा दिनांक 16/06/24 को दिया गया था, जिसकी जांच की। मर्ग जांच के दौरान 16/6/24 को परिजनों द्वारा शव को पीएम हाउस मुरैना में सबको देखकर मृतक की पहचान धर्मेंद्र गुर्जर उम्र 26 पिता राम अवतार निवासी बिस्मिल नगर मुरैना के रूप में शिनाख्त की थी। मृतक धर्मेंद्र गुर्जर के छोटे भाई महेश, सोनू, रामनिवास गुर्जर ने बताया कि मेरे भाई धर्मेंद्र की मौत दीपक गुर्जर पिता रामवीर गुर्जर निवासी बिस्मिल नगर मुरैना से पैसों को लेनदेन के कारण मृतक को रेल्वे स्टेशन मुरैना पर लेकर गया और दोनों के बीच पैसों को लेकर विवाद होने लगा और विवाद इतना बढ़ गया कि दीपक ने मृतक को ट्रेन से टक्कर देकर मारा दिया है। जिस पर से थाना जीआरपी मुरैना में अपराध क्रमांक 124 /24 धारा 302 भादवि में विवेचना में लिया गया। इस तरह अंधे कत्ल का पर्दाफाश हुआ, जिसे को दीपक गुर्जर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया। उसका वारंट प्राप्त कर मुरैना जेल दाखिल किया गया है। थाना जीआरपी मुरैना इंचार्ज संतोष शर्मा एवं सहायक उप निरीक्षक अजय भारद्वाज व आरक्षक देवेंद्र तोमर, पवन दीक्षित, लोकेश जाट, सुशील सिकरवार की विशेष भूमिका रही।

एचएल स्कूल के छात्र मनीष यादव का हुआ एनडीए में चयन

स्कूल में पहली बार आने पर एचएल बचपन स्कूल में किया गया मनीष यादव का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। एचएल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित एचएल बचपन स्कूल जौरा मुरैना के पूर्व छात्र मनीष यादव का एनडीए में सिलेक्शन होने पर उसे सम्मानित कर मिष्ठान वितरण किया गया। मनीष यादव सुपुत्र राकेश यादव माता का नाम श्रीमती नर्मदा यादव ने वर्ष 2023-24 में एनडीए में सफलता हासिल की है। मनीष यादव मूलत स्यारु गांव का रहने वाला है, जिसने अपनी प्राथमिक शिक्षा जौरा नगर के एचएल बचपन स्कूल से हासिल की है। आज प्रथम बार एचएल स्कूल में आगमन पर मनीष यादव का विद्यालय संचालक एलएन त्यागी, प्रधान अध्यापिका रचना शर्मा और केरल से आए हुए स्टाफ जिम्मी जॉर्ज और सनी जॉर्ज ने उसको सम्मानित किया। इस अवसर पर एचएल ग्रुप का स्टाफ और बच्चे उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन से टक्कर के बाद पेड़ से टकराई कार, पिता की मौत, पुत्र घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पहाड़गढ़। पहाड़गढ़ ब्लॉक मुख्यालय से 6 किमी दूर गेल इंडिया में काम करने वाले पूर्व फौजी की कार को अज्ञात वाहन ने शुक्रवार की रात 10.30 बजे टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार में सवार पूर्व फौजी की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा जख्मी हुआ है।

जानकारी के अनुसार गेल इंडिया में कार्यरत रिटायर्ड फौजी बृजराज सिंह सिकरवार 58 निवासी किरावली जदीद अपने बेटे राजवीर सिंह सिकरवार के साथ कार क्रमांक यूपी86-पी-1404 से जा रहे थे। रात 10.30 बजे के अज्ञात वाहन ने उनकी कार को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में रिटायर्ड फौजी बृजराज सिंह की मौत हो गई, जख्मी उसके बेटे राजवीर सिकरवार जख्मी हो गए। पहाड़गढ़ पुलिस ने पूर्व फौजी के शव का पोस्टमार्टम कराकर उनकी कार को उठाकर थाने में रखवाया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

हवा भरने की दुकान पर कंप्रेसर टैंक में हुआ ब्लास्ट, एक की मौत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर से गुजरे एनएच-44 हाईवे पर विक्रम नगर के मोड़ के पास ट्रक के टायरों में हवा भरने वाली दुकान के एयर कंप्रेसर टैंक में अचानक ब्लास्ट हो गया। हादसे में वहां मौजूद एक अधेड़ व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल से ग्वालियर रैफर किया गया, लेकिन ग्वालियर पहुंचनें से पहले ही कमरुद्दीन की रास्ते में मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक एनएच-44 हाईवे पर सिविल लाईन थाना क्षेत्र में विक्रम नगर कॉलोनी के लिए जाने वाले मोड़ के पास एक टायरों में हवा भरने वाली दुकान है। शनिवार की दोपहर वाहनों में ग्रीसिंग का काम करने वाला कमरुद्दीन खान 55 पुत्र मुन्ना खान नि. कुलियाना मौहल्ला मुरैना दुकान पर बैठा हुआ था। तभी अचानक दुकान के बाहर रखे एयर कंप्रेसर टैंक में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के कारण लोहे की चादर से बने कंप्रेसर के एयर टैंक के परखच्चे उड़ गए। जिसकी चपेट में आने से वहां बैठा कमरुद्दीन खान बुरी तरह जख्मी हो गया। उसके पैर में गहरा घाव हो गया। कमरुद्दीन को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत के कारण चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जेएएच ग्वालियर रैफर कर दिया। लेकिन ग्वालियर पहुंचनें से पहले ही रास्ते में कमरुद्दीन ने दम तोड़ दिया। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

शगुन साड़ी शोरूम के संचालक पर मामला दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सिटी कोतवाली पुलिस ने शगुर साड़ी कलेक्शन के संचालक के विरुद्ध दलित युवक की मारपीट और जातिय अपमान किए जाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि गजेन्द्र 28 पुत्र कप्तान सिंह जाटव निवासी शंभू का पुरा माताबसैया की शगुन साड़ी शोरूम के संचालक आशीष मित्तल पुत्र राजेन्द्र मित्तल निवासी गोपीनाथ की पुलिया ने वेयर हाऊस रोड पर मंगल वाटिका के पास रास्ता रोककर जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट कर डाली।

एक महीने के अंदर भी नगर पालिका दूषित पानी कहां से आ रहा है खोज नहीं पाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। वार्ड क्रमांक 5 की दीनदयाल स्कूल वाली गली में गत एक माह से नलों में दूषित पानी आ रहा है, जो संभव किसी नाले व नाली का पानी है जिसकी शिकायत नगर पालिका को कई बार की जा चुकी है। नगर पालिका उस गंदे पानी के आने का सुराग की खोज नहीं कर पाई। एक माह के अंदर भी नगर पालिका के द्वारा दीनदयाल स्कूल वाली गली की पुलिया को तोड़ा गया, लेकिन फिर भी कोई खोज नहीं हुई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर का कहना है कि हम गंदा पानी कहां से आ रहा है उसकी खोज शीघ्र कर लेंगे और समस्या बहुत जल्दी हल कर देंगे। गंदा पानी नलों में आने से लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। हैंडपंपों से पानी भर रहे हैं। आखिर कब समस्या का समाधान होगा? दीनदयाल स्कूल वाली गली के निवासी सुनील कुमार शर्मा व सुधीर कुमार का कहना है कि यदि समस्या का नगर पालिका ने शीघ्र समाधान नहीं किया तो हम आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जवाबदारी नगर पालिका परिषद पोरसा की होगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 29.06.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैंः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 83/18 नया वार्ड 16 अंशभाग	श्रीमती सरोज मंगल पत्नी स्व. गोविंद प्रसाद मंगल निवासी- जीवाजीगंज मुरैना	स्व. गोविंद प्रसाद मंगल पुत्र स्व. मदनलाल मंगल	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र व सहमति पत्र के आधार पर
2	भ.क्र. 270/27 नया वार्ड 31	श्रीमती सुनीता शर्मा पत्नी मुन्नालाल शर्मा निवासी- पाठक गली गणेशपुरा मुरैना	श्रीमती वविता देवी शर्मा पत्नी गिर्राज शर्मा	विक्रय पत्र के आधार पर
3	भ.क्र. 197/2 नया वार्ड 26	उमाशंकर शर्मा पुत्र स्व. भरतलाल शर्मा निवासी- एमएलए रोड मवासीपुरा मुरैना	स्व. भरतलाल शर्मा पुत्र लज्जाराम शर्मा	वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश की समृद्धि का नया अध्याय

पार्वती–कालीसिंध–चंबल अंतरराज्यीय नदी लिंक परियोजना

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त पहल

मुख्य अतिथि

भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री, राजस्थान

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 जून, 2024 । सायं 5:00 बजे
कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल

जल संवर्धन एवं सामाजिक-आर्थिक विकास की अभूतपूर्व पहल

- परियोजना का रु. 35 हजार करोड़ की लागत से होगा कार्यान्वयन
- 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में होगा सिंचाई सुविधा का विस्तार
- प्रदेश के 3.15 लाख किसान परिवार होंगे लाभान्वित एवं 10 जिलों उज्जैन, इंदौर, धार, गुना, श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिण्ड, शाजापुर, आगर-मालवा में मिलेंगी पेयजल एवं सिंचाई सुविधाएं
- चार जिलों उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा को प्राप्त होगी औद्योगिक विकास की नई गति
- परियोजना से पर्यटन विकास को मिलेगा प्रोत्साहन
- सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास को मिलेंगे नए आयाम

“ लगभग दो दशक के बाद पार्वती-कालीसिंध-चंबल अंतरराज्यीय नदी लिंक परियोजना, प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल से अब मूर्त रूप ले सकेगी। इससे मध्यप्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र के 11 जिले लाभान्वित होंगे। इन जिलों में पेयजल और सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता बढ़ेगी और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। ”

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

D11024/24

मध्यप्रदेश शासन

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP